हिंदू नववर्ष, चैत्र नवरात्रि आज

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 86। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, रविवार, 30 मार्च, 2025

दो दिन में 3 बड़े भूकंप : म्यांमार में दूसरे दिन भी 5.1 तीव्रता का भूकंप

अब तक 1644 लोगों की मौत, 3400 घायल, कई लापता

एजेंसी ● नेपीदा

म्यांमार में शनिवार दोपहर 3:30 बजे फिर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। इस तरह बीते 2 दिन में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले तीन भूकंप आए। शुक्रवार को 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में भारी तबाही हुई। मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका USGS ने जताई। भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए थे।

तबाही

शनिवार तक मरने वालों का आंकड़ा 1644 हो चुका है, जबकि 3,408 से ज्यादा लोग घायल हुए और 139 लोग लापता हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर गई। इसमें 10 लोगों की मौत हुई। म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप था। भारी तबाही के चलते म्यांमार के 6 राज्यों और पूरे थाईलैंड में इमरजेंसी लगा दी गई।

UN ने म्यांमार को 43 करोड़ रुपए की मदद दी

- संयुक्त राष्ट्र ने रिलीफ प्रोग्राम शुरू करने के लिए म्यांमार को 5 मिलियन डॉलर (43 करोड़ रुपए) दिए।
- रूस के इमरजेंसी मंत्रालय ने 120 बचावकर्मियों और जरूरी सामान के साथ दो विमानों को भेजा।
- चीनी की रेस्क्यू टीम सबसे पहले पहुंची। हॉन्ग कॉन्ग, सिंगापुर और मलेशिया भी रेस्क्यू टीम भजेंगे।

ट्रैफिक की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत

सड़कों पर भीड़भाड़ और ट्रैफिक जाम की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में मुश्किल आ रही है। कई मेडिकल इक्विपमेंट जैसे ट्रॉमा किट, ब्लड बैग, एनेस्थेटिक्स और जरुरी दवाओं के ट्रांसपोर्ट में बाधा हो रही है। यूरोपीय यूनियन (EU) इमरजेंसी सहायता के दौर पर 2.7 मिलियन डॉलर (23 करोड़ रुपए) की मदद म्यांमार भेजी है। EU ने कहा कि इस मुश्किल हालात में वो म्यांमार के लोगों के साथ खड़ा है।

भारत ने 3 खेप में भेजी राहत सामग्री

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज INS सतपुड़ा और INS सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 40 टन रिलीफ सामग्री म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए हैं। इसके अलावा 118 सदस्यीय फील्ड हॉस्पिटल यूनिट आगरा से मांडले पहुंची। इससे पहले भारत ने म्यांमार में मदद के लिए 15 टन राहत सामग्री में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, खाने के लिए तैयार भोजन, जनरेटर सेट और आवश्यक दवाएं शामिल हैं।

नेपीदा एयरपोर्ट का एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर गिरा

म्यांमार भूकंप के चलते नेपीदा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर गिर गया। सैटेलाइट तस्वीरों में दिख रहा है कि टावर जमीन से उखड़े हुए पेड़ की तरह गिरा हुआ है। भूकंप के समय टावर में मौजूद सभी लोगों का निधन हो गया।

म्यांमार में 2 दिन में आए 3 बड़े भूकंप

म्यांमार में 2 दिन में 3 भूकंप आए। पहला भूकंप 28 मार्च को सुबह 7.7 तीव्रता, दूसरा 28 मार्च की रात 11.56 बजे 4.2 तीव्रता का और तीसरा भूकंप 29 मार्च को दोपहर 3:30 एक 5.1 की तीव्रता का आया। म्यांमार में एतिहासिक शाही महल मांडले पैलेस के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं, सागाइंग क्षेत्र के सागाइंग टाउनशिप में एक पुल भूकंप में पूरी तरह नष्ट हो गया। राजधानी नेपीता के अलावा क्यौकसे, प्यिन ऊ ल्विन और श्वेबो में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इन शहरों की आबादी 50 हजार से ज्यादा है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 17 नक्सलियों का एनकाउंटर

इनमें 11 महिलाएं; 12 साल पहले 27 कांग्रेस लीडर्स के हत्याकांड में शामिल कमांडर भी मारा गया

संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ के सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। DRG और CRPF के 500-600 जवानों ने 17 नक्सलियों को मार गिराया। इनमें 11 महिला नक्सली हैं। मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली में हुई।

मुठभेड़

मारे गए नक्सलियों में नक्सल संगठन SZCM- स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर जगदीश उर्फ बुधरा भी शामिल है। बुधरा पर 25 लाख का इनाम घोषित था। वह दरभा घाटी के झीरम कांड में शामिल था। 2013 में हुई इस वारदात में कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा समेत कई बड़े कांग्रेसी लीडर मारे गए थे।

इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने इस साल अब तक 100 नक्सलियों का एनकाउंटर किया है। इसमें 20 मार्च से 29 मार्च के बीच, यानी 10 दिन में ही 49 नक्सली मारे गए हैं।

नक्सलवाद पर एक और प्रहार- शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया X पर लिखा कि हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 17 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। ऑटोमेटिक हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 अप्रैल को बस्तर के दंतेवाड़ा जाएंगे। यहां नक्सल ऑपरेशन को लेकर मंत्री और अधिकारियों के साथ मीटिंग करेंगे।

जवानों को मिली यह कामयाबी सराहनीय- साय

वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद के नासूर को खत्म करने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने कदम बढ़ा दिए हैं। सुरक्षाबलों के जवान नक्सलियों की मांद में घुसकर उनको जड़ से खत्म करने का काम कर रहे हैं। जवानों को मिली यह कामयाबी सराहनीय है, उनकी बहादुरी को नमन करता हूं।

DIG कमलोचन कश्यप ने बताया कि 17 नक्सलियों के शवों के साथ इंसास, SLR जैसे ऑटोमेटिक वेपंस भी बरामद किए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में कई बड़े कैडर्स भी हैं, जिनकी पहचान की जा रही है।

मुठभेड़ में DRG के 3 और CRPF का एक जवान भी घायल हुए। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। DIG ने बताया कि ऑपरेशन खत्म हो चुका है। DRG के जवान नक्सलियों के शवों को कंधे पर लादकर करीब 10 किलोमीटर पैदल चलकर जंगल से लौट आए हैं।

5 आयकर अधिकारियों पर धोखाधड़ी का केस

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने हैदराबाद स्थित आयकर विभाग के पांच अधिकारियों और एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें दो आयकर निरीक्षक और तीन वरिष्ठ कर सहायक शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने आयकर आकलनकर्ताओं से धोखाधड़ी कर अवैध लाभ प्राप्त किया।

आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने आयकर विभाग द्वारा जारी उन आकलनकर्ताओं की जानकारी का दुरुपयोग किया, जिन्होंने उच्च कर रिफंड का दावा किया था। विभाग से जारी डेटा के आधार पर आरोपियों ने आकलनकर्ताओं को फोन कर भारी जुर्माने की धमकी दी और अनुचित लाभ लिया। यह पैसा पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट (निजी व्यक्ति) के खाते में जमा करवाया गया और फिर अन्य आरोपियों के खातों में ट्रांसफर किया गया। सीबीआई ने हैदराबाद में छह जगहों पर छापेमारी की, जिससे कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं।

आरोपियों के नामः श्रीमती गुलनाज़ रऊफ, आयकर निरीक्षक, श्रीनिवास राव, आयकर निरीक्षक, कमर औलम खान, वरिष्ठ कर सहायक, मनीष सिकरवाल, वरिष्ठ कर सहायक, मोहम्मद जावेद, वरिष्ठ कर सहायक और पुलीमामिडी भगत, चार्टर्ड अकाउंटेंट (निजी व्यक्ति)।

पीएम मोदी आज संघ मुख्यालय जाएंगे

नागपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 साल के अपने कार्यकाल में पहली बार 30 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय जाएंगे। नागपुर में संघ का मुख्यालय रेशमबाग में स्थित है। पीएम मोदी वैसे तो इन सालों में कई बार नागपुर के दौरे पर पहुंचे हैं लेकिन वह पहली बार रेशमबाग स्थित संघ मुख्यालय जाएंगे। पीएम मोदी के दौरे को लेकर नागपुर में चाकचौबंद तैयारियां की गई है। इस महीने 17 मार्च को नागपुर के महल इलाके में हिंसा और दंगों को देखते हुए पीएम मोदी की सुरक्षा की अभेद्य इंतजाम किए गए हैं। दर्शन, श्रद्धांजलि, शिलान्यास, जनसभा आधिकारिक कार्यक्रम के हिंदू नववर्ष के शुभारम्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रतिपदा कार्यक्रम के साथ प्रधानमंत्री स्मृति मंदिर में दर्शन करेंगे और आरएसएस के संस्थापकों को श्रद्धांजलि देंगे। वह सुबह करीब 9 बजे स्मृति मंदिर में दर्शन करेंगे, फिर दीक्षाभूमि जाएंगे। सुबह करीब 10 बजे वे नागपुर में माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। माधव नेत्रालय आई इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर का नया विस्तार भवन है। 2014 में स्थापित यह संस्थान नागपुर में स्थित एक प्रमुख सुपर-स्पेशलिटी नेत्र चिकित्सा केंद्र है। स्थापना गुरुजी माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर की स्मृति में की गई थी।

रिसर्च पार्क के लिए आईआईटी भिलाई और दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के मध्य हुआ एमओयू

तकनीक से तालमेल ही सफलता की कुंजी : मुख्यमंत्री साय

संवाददाता ● रायपुर

उद्यम के लिए बदलती हुई तकनीक से तालमेल बहुत जरूरी है। समय के साथ तकनीक में बहुत तेजी से बदलाव हो रहा है। जो उद्यम तकनीक के साथ खुद को अपडेट नहीं करते, वे पीछे रह जाते हैं। आज नई तकनीक को अपनाकर ही सफलता के मानदंडों पर खरा उतरा जा सकता है। विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में भी टेक्नोलॉजी की बड़ी भूमिका होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित आईआईटी भिलाई एंड छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री कान्क्लेव : विजन विकसित भारत 2047 में उद्यमियों, प्रोफेसर्स और आईआईटी भिलाई के छात्रों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

आईआईटी भिलाई एंड छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री कान्क्लेव में दंतेवाड़ा में रिसर्च पार्क की स्थापना के लिए आईआईटी भिलाई और दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के मध्य एमओयू भी संपादित किया गया। यह कॉन्क्लेव शिक्षा जगत के सहयोग से क्षेत्रीय उद्योगों की तकनीकी उन्नति और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मुझे हार्दिक खुशी है कि आईआईटी भिलाई द्वारा 'विजन विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ इंडस्ट्रीज कान्क्लेव किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का जो सपना देखा है, उसे साकार करने में छत्तीसगढ़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम सबको मिलकर विकसित छत्तीसगढ़ के लिए योगदान देना है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ हर लिहाज से समृद्ध है। यहां वन संपदा और खनिज संसाधन भरपूर हैं। हमारा प्रदेश 'धान का कटोरा' कहलाता है और यहां के किसान मेहनतकश हैं।

विजन 2047 डॉक्यूमेंट और नई औद्योगिक नीति 2024-30 लागू

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि विकसित छत्तीसगढ़ के लिए राज्य सरकार ने विजन डॉक्यूमेंट 2047 तैयार किया है और नई औद्योगिक नीति 2024-2030 लागू की गई है। इस नीति में सभी वर्गों को विकास में भागीदार बनाया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति, जनजाति, दिव्यांगजन सहित अन्य वर्गों को विशेष सहूलियत दी गई है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन पर सरकार का विशेष फोकस है। बीस्पोक पॉलिसी और सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस नई नीति को लेकर निवेशकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

निवेशकों की बढ़ती रुचि, मिले 3700 करोड़ के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि निवेशक अब छत्तीसगढ़ की ओर आकर्षित हो रहे हैं। हाल ही में बंगलुरु में आयोजित इन्वेस्ट कनेक्ट मीट में छत्तीसगढ़ को 3700 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।नई दिल्ली और मुंबई में भी इन्वेस्ट कनेक्ट मीट आयोजित की गई, जिनमें निवेशकों ने छत्तीसगढ़ में निवेश को लेकर उत्साह दिखाया है।

स्किलिंग पर विशेष ध्यान युवाओं को मिलेगा रोजगार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्रीन एनर्जी पर विशेष जोर दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार भी इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है।इसके साथ-साथ टेक्सटाइल और आईटी क्षेत्र में भी निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि औद्योगिक विकास के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ तीव्र गति से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ कौशल उन्नयन पर भी राज्य सरकार सक्रिय रुप से काम कर रही है, ताकि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। इस अवसर पर आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश, सीआईआई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष संजय जैन, अमर परवानी, आईआईटी भिलाई के प्रोफेसर व छात्रगण सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

छप्पन दुकान एरिया में मौके पर स्पॉट फाइन

38 से अधिक संस्थानों के चालान काटे 1.58 लाख से अधिक की राशि वसूली

संवाददाता ● इंदौर

कार्रवाई

नगरीय क्षेत्र में जन स्वास्थ्य की दृष्टि से नागरिकों को स्वच्छ एवं शुद्ध खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराने, मिलावट एवं गंदगी पर नियंत्रण, अतिक्रमण तथा बिना लायसेंस व्यापार करने वालों के विरूद्ध विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (म्युनिसिपल मजिस्ट्रेट) के निर्देशन में छप्पन दुकान के क्षेत्र में रिमूवल एवं मार्केट टीम के साथ मौके पर ही कार्रवाई की गई।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (म्युनिसिपल मजिस्ट्रेट) मुकेश गुप्ता के निर्देशन में मोबाइल कोर्ट द्वारा गठित टीम के साथ ही रिमूवल एवं मार्केट विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा छप्पन दुकान क्षेत्र एवं संबंधित संपर्क मार्ग के दोनों और स्थित दुकानों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान क्षेत्र में अवैध रूप से फुटपाथ एवं सड़क किनारे बनाए गए शेड, अतिक्रमण , साथ ही बिना निगम लाइसेंस के व्यवसाय करने वाले दुकानदारों तथा कचरा वे गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों का मौके पर ही 38 से अधिक स्पॉट फाइन कर 1 लाख 58 हजार 500 की राशि वसूल की गई। इस अवसर पर निगम की ओर से अपर आयुक्त लता अग्रवाल, रिमूवल के बबलू कल्याणे, स्वास्थ्य अधिकारी गौतम भाटिया, राजेश जायसवाल, संदीप पटौदी, निगम के जितेन्द्र भावसार के साथ विभिन्न झोन के सेनेटरी इंसपेक्टर, सहायक सेनेटरी इंस्पेक्टर आदि के साथ निगम, पुलिस तथा कोर्ट के कई अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

फिनिक्स मॉल, डी मार्ट, टेक्सटाइल फैक्ट्री की सुरक्षा परखने के लिए मॉकड्रिल की

इंदौर। फिनिक्स मॉल, चंदन नगर स्थित डी मार्ट, सांवेर रोड सेक्टर सी स्थित प्रेम टेक्सटाइल फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा को लेकर कलेक्टर आशीष सिंह एवं आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस ड्रिल का उद्देश्य आग लगने की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर फायर ऑफिसर विनोद मिश्रा एवं अन्य उपस्थित थे। अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया ने बताया कि इस अवसर पर अग्निशमन दल, मॉल प्रशासन, सुरक्षा कर्मियों एवं संबंधित विभागों की टीमों ने सक्रिय रुप से भाग लिया। ड्रिल के दौरान आग लगने की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्यों की विस्तृत रुपरेखा का अभ्यास किया गया। इसमें फायर अलार्म बजाना, अग्निशमन यंत्रों का उपयोग, आपातकालीन निकासी प्रक्रिया तथा घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देने की प्रक्रिया शामिल थी।प्रशासन ने इस अभ्यास को सफल बताते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से न केवल कर्मचारियों की सतर्कता और तत्परता बढ़ती है, बल्कि आगजनी जैसी आपदाओं से निपटने में भी सहायता मिलती

शॉर्ट न्यूज

हिंदू नववर्ष पर राजबाड़ा में ब्राह्मण समाज जल संरक्षण का लेंगे संकल्प

इंदौर। राजबाड़ा पर हिंदू नववर्ष के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। श्री परशुराम सेना इंदौर और हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम 30 मार्च को शाम 5:30 बजे होगा। कार्यक्रम में मां अहिल्या की प्रतिमा के समक्ष 108 हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाएगा। इसके साथ ही जल संरक्षण का विशेष संकल्प भी लिया जाएगा। परशुराम सेना के वरिष्ठ पदाधिकारी पंडित राजेश तिवारी, पंडित दीपेश शर्मा और पंडित अखिलेश ठक्कर ने इस आयोजन की जानकारी दी। 'मुझे गर्व है कि मैं जल कंजूस हूं' के नारे के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा और पंडित कपिल पांडे के अनुसार कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति और समाज के लोग शामिल होंगे।

सदगुरू माधवनाथ महाराज के 168वें जन्मोत्सव पर आज शाम पालकी यात्रा

इंदौर। साउथ तुकोगंज स्थित नाथ मंदिर संस्थान पर आज गुड़ी पड़वा महापर्व पर योगाभ्यानंद सदगुरू माधवनाथ महाराज का 168वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। संस्थान के सचिव संजय नामजोशी ने बताया कि उत्सव में प्रातकालीन सत्र में कांकड़ आरती, ध्वजारोहण एवं जन्म अध्याय वाचन के कार्यक्रम हुए। भक्तों द्वारा महाराजश्री के ग्रंथ का सामूहिक पाठ भी किया गया। इसके बाद रूद्राभिषेक एवं उपासना के आयोजन हुए। दोपहर के सत्र में साधना भजन मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। सांयकाल में मंदिर परिसर में महाराजश्री की पालकी निकाली जाएगी। सामूहिक पूर्णारती के साथ इस एक दिवसीय महोत्सव का समापन होगा।

पूर्व प्रधान रिंकू भाटिया के बंगले पर हुई चोरी

इंदौर। शराब ठेकेदार और श्री गुरुसिंघ सभा के पूर्व प्रधान मनजीत सिंह उर्फ रिंकू भाटिया के घर पर चोरी की बड़ी वारदात हो गई है। कनाडिया थाना क्षेत्र में यह वारदात हुई है। नकाबपोश बदमाशों द्वारा इसे अंजाम दिया गया है। चोरों ने कैश, विदेशी मुद्रा, ब्रांडेड घड़ियों, पर्स सहित लाखों के सामान पर हाथ साफ किया है। वारदात बिचौली हप्सी स्थित संपत फार्म कॉलोनी में हुई है। रिंकू भाटिया ने इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज करा दी है। बताया जा रहा है कि कुल 7 लाख रुपए का माल चोरी गया है। पुलिस को जांच में पांच बदमाशों को सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इन बदमाशों ने फिंगर प्रिंट से बचने के लिए हैंड ग्लब्स भी पहने हुए थे। चोर खिड़की ग्रिल उखाड़कर घर में घुसे थे। इसके लिए जैक का उपयोग किया। माना जा रहा है कि चोरी के पहले रेकी हुई है, क्योंकि चोरों को इंट्री और बाहर जाने का रास्ता पता था। फुटेज के अनुसार चोर रात करीब सवा तीन बजे बंगले में घुसे थे।

सियागंज में झूलेलाल जयंती पर आरती और भजन संध्या में व्यापारियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता ● इंदौर

आयोजन

मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी व्यापारिक मंडी सियागंज में झूलेलाल जयंती का आयोजन किया गया। सुजीत सावलानी और किशोर वरलानी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। चेटीचंड महोत्सव के अवसर पर पूरा सियागंज क्षेत्र उत्सवमय हो उठा। इस कार्यक्रम का खर्च सभी सिंधी व्यापारियों एवं सिंधी दलालों ने मिलकर उठाया।

कार्यक्रम में सियागंज होलसेल किराना मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल, भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के संयोजक धीरज खंडेलवाल और उपाध्यक्ष नईम पालवाला समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वासुदेव चेलानी, प्रदीप मिश्रा और मुन्ना सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और दलाल बंधु भी शामिल हुए। शाम 4 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में सबसे पहले झूलेलाल जी की आरती की गई। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया। सुजीत सावलानी और उनकी टीम ने सभी के लिए भोजन प्रसादी की उत्तम व्यवस्था की। कार्यक्रम में कमल छतरी, दिलीप चंदवानी, जगदीश वरलानी, संजय वरलानी, कमल बतरेजा, कन्हैया लाल माधवानी, शत्रुघ्न जी, मनीष बिसानी, यशपाल कुंदवानी, योगेश कनधारी, अमित राठौर और रवि किंगरानी सहित संगठन के कई सदस्य और कार्यकारिणी मौजूद रही। सभी धर्मों के व्यापारियों ने कार्यक्रम में शिरकत कर इसे सफल बनाया।

अग्रवाल समाज की 61 महिलाओं के गणगौर व्रत का उद्यापन कल होगा

इंदौर। गोयल पारमार्थिक न्यास की मेजबानी में गणगौर महोत्सव में इस बार भी समाज की 61 महिलाओं के व्रत का उद्यापन सोमवार, 31 मार्च को सुबह 11 बजे से राजीव गांधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर किया जाएगा। गणगौर मेले के रूप में इस अवसर पर विभिन्न स्पर्धाएं, उपहार वितरण, स्नेह भोज एवं अन्य स्पर्धाएं भी होंगी। ईसर-गोरा के रूप में सज-धजकर आने वाले महिलाओं के युगलों का सम्मान भी होगा। भजन गायक पूजा पालीवाल एवं धीरज-प्रियंका द्वारा सुमधुर गीतों की संगीतमय प्रस्तुति भी होगी। आयोजन प्रमुख श्रीमती कनकलता-प्रेमचंद गोयल, श्रीमती कृष्णा-विजय गोयल एवं सोनल-अजय अग्रवाल आलूवाले ने बताया कि प्रत्येक व्रतधारी महिला के साथ उनके पति, परिजन एवं अन्य मेहमानों को भी आमंत्रित किया गया है। 61 महिलाओं के रिश्तेदारों सहित इस महोत्सव में करीब 3 हजार समाजबंधु शामिल होंगे। कार्यक्रम की दिव्यता को देखते हुए विभिन्न समितियां गठित की गई हैं, इनमें सुनीता-अरुण आष्टावाले, आशा-एस.एन. गोयल, आशा-प्रमोद बिंदल, कल्पना-कैलाश नारायण बंसल, राधा-सतीश गुप्ता, विनीता-ब्रजकिशोर गोयल, जयश्री-राजेश मित्तल एवं शुचिता-आशीष अग्रवाल सहित 11 युगलों को शामिल किया गया है। उत्सव की रूपरेखा तैयार करने के लिए समिति की नियमित बैठकों का सिलसिला पिछले 15 दिनों से चल रहा है। सभी व्रतधारी महिलाओं के लिए आकर्षक उपहार की व्यवस्था भी की जा रही है। विजेताओं को समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, विजय गोयल एवं अग्रवाल संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी पुरस्कृत करेंगे।

श्रीराम-हनुमत चरित्र महोत्सव में पहुंचे महापौर; समापन प्रसंग पर हुआ सम्मान

धर्म-संस्कृति के बिना मनुष्य का उत्थान नहीं : पं. सत्तन

संवाददाता ● इंदौर

मन की पवित्रता और निर्मलता के बिना किया गया कोई भी कार्य सार्थक नहीं हो सकता। हम लाख बार मंदिर चले जाएं, पूजा-पाठ भी कर लें, आरती भी गा लें, लेकिन यदि मन में निर्मलता नहीं होगी तो हमारा पूजा-पाठ और मंदिर जाना व्यर्थ ही होगा। रामकथा जीवन के सभी संशयों को दूर करती है। राम और हनुमान के चरित्र का श्रवण हमें अविद्या के दोष से मुक्त कराता है। धर्म और संस्कृति के बिना मनुष्य का उत्थान संभव नहीं है। हनुमान जैसा चरित्र जिस दिन हमारे समाज में व्याप्त हो जाएगा, उस दिन राम राज्य की संकल्पना भी साकार हो उठेगी। राष्ट्रकवि और सरस्वती पुत्र पं.सत्यनारायण सत्तन ने शनिवार को पंचकुइया स्थित दास बगीची पर श्री दास हनुमान जय सियाराम बाबा धार्मिक ट्रस्ट, हम्माल कालोनी युवा संगठन एवं नवग्रह शनिधाम के तत्वावधान में चल रहे श्रीराम हनुमान चरित्र महोत्सव के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा शुभारंभ अवसर पर संयोजक धर्मेश यादव के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पार्षद निरंजनसिंह चौहान गुड्डू, पार्षद पराग कौशल, अशोक चौहान चांदू, सुरेन्द्र वाजपेयी, गोपीकृष्ण नेमा, सचिन सांखला, भावेश दवे, गोविंद पंवार, जीतू कुशवाह, गोविंद अवस्थी, आशीष शर्मा आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। समापन प्रसंग पर आयोजन समिति की ओर से विद्वान वक्ता का शाल-श्रीफल भेंटकर आत्मीय सम्मान किया गया।

राम की तरह दूसरों के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए

पं. सत्तन ने राम जानकी विवाह, वनवास गमन और लंका युद्ध सहित विभिन्न प्रसंगों की व्याख्या करते हुए कहा कि ' नारी ' शब्द में आ की मात्रा नारी के प्रति मान, सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है, जबकि ई की मात्रा नारी की मर्यादा को इंगित करती है। राम यदि मर्यादा पुरुषोत्तम हैं तो माता सीता भी भारतीय नारी के आदर्श स्वरुप का प्रतिबिम्ब है। राम और सीता का युगल जितना वंदनीय और पूजनीय है, चारों भाइयों का चरित्र भी उतना ही पावन और स्नेहिल है। राम की तरह हमारे जीवन में भी विनम्रता और दूसरों के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। राम चरित मानस तत्कालीन भारतीय समाज को जागृत और चैतन्य बनाने वाला ऐसा अनूठा और अनुपम ग्रंथ है, जिसका गायन आज हजारों वर्ष बाद भी देश के गांव-गांव और गली-गली में पढ़े-लिखे लोगों से लेकर अनपढ़ लोगों तक किया जा रहा है। राम जैसा आदर्श चरित्र और व्यक्तित्व दुनिया में कहीं ओर नहीं मिल सकता। राम इसीलिए भारत के जन-जन के मन में रचे-बसे हैं।

एग्रीकल्चर कॉलेज में हंगामा बरपा, छात्रों ने कलेक्टोरेट तक निकाली रैली

संवाददाता ● इंदौर

हंगामा

एग्रीकल्चर कॉलेज के छात्र डीन भरत सिंह को हटाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को भंवरकुआं चौराहे से कलेक्टोरेट तक छात्रों ने रैली निकाली। छात्रों ने बैनर, पोस्टर के साथ में रैली निकाली और डीन को हटाने की मांग की। उन्होंने कलेक्टोरेट में कलेक्टर आशीष सिंह से मुलाकात की और अपनी मांगें रखी। कलेक्टर ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया और छात्रों को वापस भिजवाया। छात्रों की मांग है कि डीन भरत सिंह को तुरंत हटाना चाहिए।

नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के (एनईवाययू) रणजीत किसानवंशी ने बताया कि डीन पर लगे कई आरोपों की जांच चल रही है और जिसकी भी जांच चलती है। उसे पद पर नहीं रहना चाहिए। कॉलेज के डीन भरत सिंह पर छात्राओं से बद्तमीजी करने जैसे अनेक आरोप हैं। छात्रों का कहना है डीन से महिला प्रोफेसर भी सुरक्षित नहीं हैं। सभी ने कहा जब से प्रोफेसर भरत सिंह डीन बने हैं तब से कॉलेज का माहौल खराब हो गया है। यह जब डीन नहीं थे उस समय भी एक महिला प्रोफेसर ने उनके साथ बदतमीजी का आरोप लगाया था उस बात को लेकर हमने वीसी को शिकायत की थी तबसे लेकर यह हमसें रंजिश पाले हुए हैं और हमको डराते धमकाते हैं जब हम हॉस्टल की समस्या को लेकर उनके पास जाते हैं तो यह हमसे बदतमीजी करते हैं। डीन हमें धमकी देते हैं और कहते हैं कि मेरी पहुंच ऊपर तक है, डीन तो मैं केवल टाइम पास के लिए बना हूं, अभी कुछ साल बाद सीधे राजनीति में आऊंगा। तुम जैसे कई लोगों को मैं मसल चुका हूं। मुझसे टकराओगे तो तुमको भी मसल दूंगा।

20 दिवसीय प्रभात फेरी को शहर के विभिन्न -विभिन्न जिनालयों से प्रतिदिन निकाला जा रहा

महावीर जयंती तक निकल रही 20 दिवसीय प्रभात फेरियों में उमड़ रहे श्रद्धालु

संवाददाता ● इंदौर

कार्यक्रम

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद , इंदौर, सोशल ग्रुप फेडरेशन एवं महावीर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, स्कीम नंबर 78 सलैया वालों के मंदिर से शुक्रवार को शनिवार को बजरंग नगर दिगंबर जैन मंदिर से प्रभात फेरी निकली। प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ से महावीर जयंती तक निकलने वाली इस 20 दिवसीय प्रभात फेरी को शहर के विभिन्न -विभिन्न जिनालयों से प्रतिदिन निकाला जा रहा है। इस पुरानी परंपरा को पिछले वर्ष से ही पुनः चालू किया गया है। रविवार, को प्रातः प्रभात फेरी सुबह 6:45 पर सुखलिया दिगंबर जैन मंदिर से निकल कर विजयनगर जैन मंदिर पहुंचेगी , तत्पश्चात श्री जी के कलश व अन्य सभी कार्यक्रम होंगे। ।

समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर निकलने वाली भव्य स्वर्ण रथ यात्रा के सारथी बने विमला देवी, मुकेश पाटोदी परिवार का सम्मान किया गया। प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि बैंड बाजों के साथ निकल रही 20 दिवसीय प्रभात फेरी मैं समाज श्रेष्ठियों के साथ सोशल ग्रुप अहिंसा के बहुत अधिक दंपति सदस्य चल रहे थे। प्रतिदिन प्रभात फेरी साथ

शहर के विभिन्न मंदिरों से निकल रही है। इस दौरान प्रभु जी को रजत पालकी में विराजित कर बड़े भक्ति भाव से आसपास की कॉलोनी में भ्रमण कराया जाता हैं। मंदिर प्रांगण पर मुकेश पाटोदी, राजकुमार पाटोदी, अनिल सलैया, राकेश विनायका , सुशील पांड्या,संजय अहिंसा ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर समाज श्रेष्ठि , मनोहर झांझरी,राजेंद्र सोनी, देवेंद्र सोगानी, सुनील जैन, ऋषभ पाटनी, सुधीर सिंघई, हर्ष जैन, पवन सिंघई, राजेश जैन, अनिल इटको, संजय पापड़ीवाल, चंद्रेश जैन , केशव जैन,मनीष जैन, सहित बहुत अधिक संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि दिगंबर जैन समाज की तीन प्रमुख संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सुबह प्रभात फेरी बजरंग नगर दिगंबर जैन मंदिर , नंदा नगर परदेशीपुरा से होते हुए क्लर्क कॉलोनी पहुंची। क्लर्क कॉलोनी मंदिर प्रांगण पर मुकेश पाटोदी, श्र एम के जैन, राजकुमार पाटोदी, राकेश विनायका, नवीन - आनंद गोधा, अरविंद जैन एडवोकेट, अनिल जैन ईटको ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर समाज श्रेष्ठि सुशील पांड्या , मनोहर झांझरी, कमलेश कासलीवाल, राजू अलबेला,राजेंद्र सोनी, पवन सिंघई,संतोष सराफ, संजय जैन काका, भूपेंद्र जैन,राजेश जैन ,अमोल जैन, गोलू जैन, पंकज पापड़ीवाला पिंकेश बिलाला,संजय अहिंसा,वितुल अजमेरा , रितेश पाटनी, महेंद्र जैन सनत गंगवाल, प्रियंक जैन, संजय पापड़ीवाल, मनीष जैन, सहित बहुत अधिक संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

शहर में विदेशी वाणिज्य दूतावास केंद्र खोलने की मांग

सांसद ने जमीन आरक्षित करने के लिए लिखा पत्र

संवाददाता ● इंदौर

शहर को महानगर का दर्जा देने की प्रक्रिया तेज हो चुकी है। सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए महानगरीय क्षेत्र का निर्धारण शुरू कर दिया है। ऐसे में सांसद शंकर लालवानी ने महत्वपूर्ण और दूरदर्शी सुझाव दिया है कि जब महानगरीय क्षेत्र का खाका तैयार किया जा रहा है, तो विभिन्न देशों के वाणिज्य दूतावास के लिए अभी से जमीन आरक्षित कर ली जाए।

सवाल ये है कि वाणिज्य दूतावास केंद्र क्या होता है और ये क्यों जरूरी हैं? दरअसल वाणिज्य दूतावास केंद्र किसी भी देश के व्यापार, निवेश, शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का काम करते हैं। आज मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद जैसे शहरों में कई देशों के ऐसे दूतावास हैं। इंदौर में भी ये केंद्र स्थापित होते हैं, तो शहर को सीधे तौर पर कई अंतरराष्ट्रीय फायदे होंगे। सांसद लालवानी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि जब महानगरीय क्षेत्र की योजना बनाई जा रही है, तो उसी के साथ एक विशेष जोन ऐसा तय किया जाए जहां विभिन्न देशों के वाणिज्य दूतावास और उच्चायोग मिशन की स्थापना हो सके। जब शहर महानगर बनता है, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी पहचान भी बनती है। और उसी पहचान को मजबूत करने के लिए दूतावास केंद्र जरूरी हो जाते हैं।

इस बारे में सांसद लालवानी ने स्पष्ट किया कि आज जब शहर की प्लानिंग हो रही है, उसी वक्त भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर दूतावासों के लिए जमीन आरक्षित कर ली जाए। इससे आगे चलकर निर्माण कार्यों या अनुमति में कोई रुकावट नहीं आएगी।दूतावास केंद्र आमतौर पर उसी देश की सरकार बनवाती है, लेकिन जगह राज्य सरकार देती है।

कमाई का रिकॉर्ट टूटेगा : 15 करोड़ के बिकेंगे टिकट

सबसे महंगा होगा अरिजीत का कॉन्सर्ट, टिकट 3500 से 49999 तक

संवाददाता ● इंदौर

दिलजीत के शो के बाद इंदौर में अब सभी की नजरें सिंगर अरिजीत सिंह के शो पर लगी हैं। यह 19 अप्रैल को इंदौर में होने जा रहा है। इसके टिकट की दरें सामने आ चुकी हैं और बुकिंग शुरू हो चुकी हैं। कुल मिलाकर यह कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा है और यह इंदौर का सबसे महंगा शो होगा। उधर अभी तक नगर निगम को इस आयोजन के लिए मंजूरी संबंधी कोई आवेदन नहीं मिला है और सबसे बड़ी बात कोई मनोरंजन कर भी अभी तक नहीं मिला है। अरिजीत शो में टिकट के लिए स्पेशल वीवीआईपी लाउंज के साथ ही डायमंड, प्लेटिनम, गोल्ड और सिल्वर फैन सीट हैं। इसके टिकट की दरें 3500 रुपए से लेकर 49999 रुपए तक हैं। 16 हजार से ज्यादा टिकट हैं। इसकी बिक्री से 15 करोड़ से ज्यादा की कमाई होगी।

रिकॉर्ड

वीवीआईपी लाउंज- इसकी कीमत 49999 रुपए है।

डायमंड- इसमें 44999 रुपए का टिकट, यह करीब 1000 है। यानी पांच करोड़ की कमाई

प्लेटिनम- इसमें 13499 रुपए का टिकट है, संख्या करीब 4000 है, यानी कमाई करीब 5 करोड़

गोल्ड- इसमें 6999 रुपए का टिकट, संख्या 5000 से ज्यादा, इसमें 3.5 करोड़ कमाई

सिल्वर- इसमें टिकट 3500 रुपए, इसमें 6000 से ज्यादा, कमाई दो करोड़ कमाई

मनोरंजन कर को लेकर क्या बोल रहा निगम

नगर निगम की अपर आयुक्त लता अग्रवाल का कहना है कि अरिजीत सिंह के शो के लिए आयोजकों को चार दिन पहले नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन अभी तक उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। ना ही शो के आयोजन को लेकर अनुमति मांगने का कोई पत्र आयोजकों की तरफ से आया है। हमारे द्वारा प्राथमिक तौर पर टैक्स की गणना नहीं की जाती है, जो भी कैलकुलेशन टैक्स की होती है। उसके लिए आयोजन के पहले हमें सूचित करते हैं कि उनके अनुमानित कितने टिकट बिके होंगे। उसके आधार पर फिर हम उन पर टैक्स की गणना करते हैं। अभी तक अरिजीत सिंह के आयोजकों को अनुमति नहीं दी गई है, और अगर वे टैक्स जमा नहीं करते हैं तो उन्हें किसी भी प्रकार के आयोजन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मनोरंजन कर 4406 रुपए

अरिजीत सिंह के शो की ऑनलाइन टिकट बुकिंग की साइट पर जाकर बुकिंग प्रक्रिया में टिकट राशि के साथ ही इंटरटेनमेंट (मनोरंजन) टैक्स भी जुड़ा दिख रहा है। जैसे डायमंड का टिकट देखा तो इसकी मूल राशि 44999 रुपए है। इसमें जीएसटी के साथ मनोरंजन कर 4406 रुपए, साथ में बुकिंग फी 3993 रुपए जोड़कर कुल राशि 60399 रुपए लिए जा रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है यह टिकट बुकिंग की पूरी राशि आने के बाद इसमें पारदर्शी तरीके से मनोरंजन कर का हिसाब देते हुए नगर निगम को दिया जाएगा।

शॉर्ट न्यूज

एमवाय में कमीशन मामले में जांच के आदेश

इंदौर। एमवाय अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को मौजूदा संसाधन और सुविधाओं में उपचार नहीं करते हुए उन्हें प्राइवेट अस्पतालों में भेजे जाने संबंधी शिकायत पर कलेक्टर आशीष सिंह ने शनिवार को जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की है। कमेटी में एमवाय हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव और डॉ. हेमंत गुप्ता भी शामिल हैं। कलेक्टर ने बताया कि समिति 10 दिन में शिकायतों की बारीकी से जांच कर रिपोर्ट देगी। कमेटी, जिन निजी अस्पतालों के शामिल होने की जानकारी सामने आ रही है उनकी भी जांच करेगी। इससे पहले शुक्रवार को मामला सामने आने के बाद इंदौर में एमवाय हॉस्पिटल के दो डॉक्टरों को एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन ने सस्पेंड कर दिया है। उन्हें बाणगंगा मानसिक चिकित्सालय भेजा गया है। साथ ही इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी करने वाली दो नर्सों को भी हटाकर दूसरे विभाग में भेज दिया है।

बंद हो जाएगा मालवा मिल से पाटनीपुरा का रास्ता

इंदौर। मालवा मिल से पाटनीपुरा जाने वाले मार्ग पर कल से यातायात बंद होगा और वाहन चालकों को परदेशीपुरा और जंजीरवाला से लक्ष्मी मेमोरियल होते हुए जाना होगा। दोनों मार्गों पर कई जगह फुटपाथों पर कब्जे हैं, जिन्हें हटाए जाने के लिए निगम द्वारा मुनादी की जाएगी। पिछले कई दिनों से मालवा मिल से पाटनीपुरा को जोडऩे वाले पुल को बनाने की कवायद चल रही थी और इसी के चलते पिछले सप्ताह से वहां काम शुरू कराया गया था। नगर निगम द्वारा कल से पुल को तोडऩे का काम किया जाएगा। इसके लिए आने वाले कुछ माह के लिए मालवा मिल से पाटनीपुरा जाने वाला मार्ग पूरी तरह बंद होगा। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर के मुताबिक मालवा मिल चौराहे से शिवाजी नगर होते हुए सुभाष नगर से मिल क्षेत्र में पहुंचा जा सकेगा।

केवाईसी अपडेट के नाम पर सवा 5 लाख की ठगी

इंदौर। साइबर अपराधियों ने सेवानिवृत्त प्रोफेसर के खाते से सवा पांच लाख रुपये निकाल लिए। ठग ने बैंक अधिकारी बनकर बात की और केवाइसी अपडेट करने के बहाने एपीके फाइल डाउनलोड करवा ली। आरोपी ने फोन हैक कर खाते से रुपये निकाल लिए। एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक धोखाधड़ी रामेश्वर पिता राजबहादुर निवासी आस्था रेसीडेंसी शिवसिटी सिल्वर (राजेंद्र नगर) के साथ हुई है। वारदात राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में हुई, जहां बुजुर्ग अकेले रहते हैं। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि एक्सिस बैंक के फर्जी कस्टमर केयर अधिकारी बनकर ठगों ने बुजुर्ग को कॉल किया।उन्हें बताया गया कि उनके क्रेडिट कार्ड की केवाईसी अपडेट करनी होगी, साथ ही लिमिट भी बढ़ाई जा सकती है।

हिंदू समाज को अपनी सुरक्षा की खातिर कदम उठाना ही होगा : मिलिंद परांडे

बजरंग दल के विशाल शौर्य संगम में हजारों कार्यकर्ता जुटे

संवाददाता ● इंदौर

नेहरू स्टेडियम में बजरंग दल का विशाल शौर्य संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मालवा प्रांत के हजारों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्य, अन्ना महाराज के करकमलो से हुआ। आयोजन में प्रज्ञानंद महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि आसुरी ताकतों को पाकिस्तान, बांग्लादेश या अरब भेजने की आवश्यकता नहीं है, इनकी सही जगह जहन्नुम है और इन्हें समय पर वहीं भेजा जाएगा। उन्होंने वर्तमान सरकार को सनातनी सरकार बताया और कहा कि पहले की सरकारें मदरसे चलाने वाली थीं, जबकि अब देश में एक सही दिशा में काम हो रहा है।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतर्राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि भारत में पिछले ढाई वर्षों में 13 लाख महिलाएं लापता हो चुकी हैं, जो एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने हिंदू समाज से अपील की कि वे अपने सम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं। मिलिंद परांडे ने बताया कि बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद हर साल हजारों कन्याओं की घर वापसी कराते हैं और अब इस कार्य को और तेज करने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने हिंदू परिवारों से कम से कम दो-तीन बच्चे पैदा करने की अपील भी की, ताकि भविष्य में जनसंख्या असंतुलन की समस्या से न जूझना पड़े। मिलिंद परांडे ने गौ रक्षा पर भी बात की और कहा कि देश में हजारों गोमाताओं की हत्या हो रही है, और इसे रोकना हर हिंदू का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल गोवंश की रक्षा करने वाला सबसे बड़ा संगठन है, लेकिन यह जिम्मेदारी केवल एक संगठन की नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज की है। इसके साथ ही उन्होंने हिंदू समाज से जाति-भेद से ऊपर उठकर एकजुट होने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की तैयारी और आयोजन

इस शौर्य संगम कार्यक्रम की तैयारी पिछले तीन महीनों में की गई थी, जिसमें हजारों बैठकें आयोजित की गई थीं। आयोजन स्थल पर तीन दिनों से तैयारियां चल रही थीं। इस अवसर पर पारंपरिक खेलों जैसे कबड्डी, मलखंभ सहित अन्य खेलों का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रांत के सभी विभागों और खंड-प्रखंड स्तर के कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

कुत्ते को घुमाने निकली महिला की चेन खींचकर बदमाश फरार

इंदौर। पालतू कुत्ते को घुमाने निकली महिला की चेन बदमाश लूटकर भाग गए। ये वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। 42 वर्षीय मीनू जोशी निवासी गंगादेवी नगर की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना शुक्रवार की है, जिसके फुटेज शनिवार को सामने आए। महिला ने बताया कि उनके गले में दो तोला वजनी सोने की चेन थी। चेन के साथ में ओम लिखा पैंडल भी था। जिसे बदमाश ने लूट लिया और भाग निकले। इधर, घटना के बाद पुलिस ने जांच की तो घटना स्थल से उन्हें एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। घटना के सीसीटीवी फुटेज में देखा कि जब महिला अपने कुत्ते को घुमा रही थी। तभी वहां एक बदमाश आया और महिला से थोड़ी दूर जाकर खड़ा हो गया। कुछ देर तक वह महिला का इंतजार किया और अचानक वह महिला के पास आने लगा। जैसे ही महिला मुड़ी बदमाश ने महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और वहां से भाग निकला। महिला चिल्लाई भी, लेकिन बदमाश वहां से दूर जा चुका था। महिला ने पुलिस को बताया कि चेन लेकर बदमाश वहां से भागा, थोड़ी ही दूरी पर उसका एक साथी बाइक पर उसका इंतजार कर रहा था। जैसे ही उसका साथी वहां पहुंचा। वह बाइक पर बैठकर वहां से भाग निकले। बताया जा रहा है कि उसका साथी रोड के डिवाइडर के दूसरी तरफ खड़ा था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस अन्य जगह से सीसीटीवी फुटेज भी निकाल रही है। बाइक की भी तलाश जारी है। एसीपी आदित्य पटले ने बताया सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। मामले में इन्वेस्टिगेशन जारी है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही तलाश

राज्यपाल ने 42 साल पुरानी सिकलसेल प्रभावितों की बताई करुण कहानी

बोले- समाज का हर वर्ग बीमारी उन्मूलन के लिए गिलहरी की तरह दे अपना योगदान

संवाददाता ● इंदौर

राज्यपाल मंगुभाई पटेल शनिवार को महात्मा गांधी स्मृति मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति सिकलसेल उन्मूलन के लिए अपना योगदान अवश्य दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर वर्ग का सहयोग आवश्यक है। मप्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बाद देश का तीसरा ऐसा राज्य है जहाँ सिकलसेल एनीमिया के सर्वाधिक प्रभावित मरीज हैं।

योगदान

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपने उद्बोधन में 42 साल पहले की पीड़ा और करुणा की कहानी बताई। उन्होंने कहा कि जब वे गुजरात में कॉरपोरेटर थे, तब उन्होंने पहली बार सिकलसेल एनीमिया की त्रासदी को देखा था। पड़ोस के सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित एक बच्चे को वे बम्बई में डॉ. ढोलकिया के पास में इलाज के लिए ले गए थे, किन्तु उस बच्चे को बचाया नहीं जा सका था। इसी तरह उन्होंने मार्मिक ढंग से बताया कि किस तरह पड़ोस की छोटी बच्ची जो उनके गोद में खेला करती थी, इसी बीमारी की वजह से महज 4 दिनों में मृत्यु को प्राप्त हो गई। राज्यपाल पटेल ने कहा कि जिस तरह भगवान राम के लंका जाने के दौरान राम सेतु के निर्माण में गिलहरी ने भी अपनी भूमिका निभायी थी, उसी तरह समाज का प्रत्येक व्यक्ति सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन में अपना योगदान दें। राज्यपाल पटेल ने उपस्थित सभी जनों को इस अवसर पर शपथ भी दिलायी। सांसद शंकर लालवानी ने इस अवसर पर अपनी सांसद निधि से एमवाय हास्पिटल की ब्लड बैंक टीम को एक वाहन सांसद निधि से दिए जाने की घोषणा की। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने एमवाय हॉस्पिटल में सेंटर आफ कंपीटेनशी एवं ब्लड केंद्र का का शुभारंभ कर निरीक्षण किया। उन्होंने सभी मशीनों, एचबी इलेक्ट्रोफरेसिस, नेट टेस्टिंग, ब्लड रेडिएटर को समझा। रेड सेल एक्सचेंज एवं कोरियानिक विलास सेंपलिंग के बारे में चर्चा की।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि सिकलसेल के लिए अधिकतम जागरूकता और शिक्षा जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक अवश्य पूरा होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने अपने संबोधन में राज्यपाल मंगुभाई पटेल को समाज के प्रति समर्पित और संवेदनशील राज्यपाल बताया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय राजभवन तक कभी सीमित नहीं रहे, उन्होंने मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में जाकर सिकल सेल एनीमिया के लिए जन चेतना को जागृत किया है।

जलकार्य और जल यंत्रालय विभाग की सलाहकार समिति की बैठक हुई

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम महापौर सभा कक्ष में जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू की अध्यक्षता में जलकार्य एवं जल यंत्रालय विभाग की सलाहकार समिति एवं बजट पर बैठक आयोजित की गई। इसमें वित्तीय वर्ष के बजट में जलकार्य एवं जल यंत्रालय विभागों के अंतर्गत किए गए प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। सीवरेज विभाग के अंतर्गत नमामी गंगे, अमृत परियोजना तथा सिंहस्थ के तहत प्रस्तावित कार्यों की रूपरेखा समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई।

बैठक

नगर निगम द्वारा शहर के बाहरी क्षेत्रों में सीवर लाइन तथा एसटीपी के निर्माण हेतु विस्तृत योजना पर चर्चा की गई, जिससे निगम में सम्मिलित ग्रामीण क्षेत्रों वाले वार्ड्स को लाभान्वित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अमृत 2.0 योजना के तहत शहर में अतिरिक्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने हेतु इंटेक वेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, पंपिंग मेन व स्टेशन, ब्रेक प्रेशर टैंक, ग्रेविटी लाइन, टंकियों का निर्माण एवं डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए, सीएनजी युक्त नवीन टैंकरों की खरीद और उनकी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा उपयोगी सुझाव दिए गए। अंत में वरिष्ठ पार्षद सुरेश कुरवाड़े ने सभी उपस्थित सदस्यों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।इस बैठक में अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, रोहित सिसोनिया, समिति के सदस्य पार्षद सुरेश कुरवाड़े, राहुल जायसवाल, कमलेश कालरा, कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव, सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

पति ने प्रोफेसर पत्नी की प्रताड़ना से परेशान होकर फांसी लगाई

आत्महत्या करने से पहले उसने अपनी पत्नी तामश्री को कॉल किया था। तामश्री की दोस्त ने अनुराग की बहन को जानकारी दी थी, लेकिन अनुराग को बचाया नहीं जा सका।

संवाददाता ● इंदौर

लसूड़िया पुलिस ने एनएचएआई कर्मचारी अनुराग धारसिया के सुसाइड मामले में उसकी पत्नी तामश्री सहित तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। 26 सितंबर की रात अनुराग ने शादी का सूट पहनकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या करने से पहले उसने अपनी पत्नी तामश्री को कॉल किया था। तामश्री की दोस्त ने अनुराग की बहन को जानकारी दी थी, लेकिन अनुराग को बचाया नहीं जा सका।

मामला

अनुराग के परिवार ने आरोप लगाए थे और पुलिस ने सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कही है। लसूड़िया पुलिस ने इस मामले में अनुराग के परिवार के तीन लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें ससुर लीलाधर सोनारतिया, साला कच्छू उर्फ आनंद और पत्नी तामश्री शामिल हैं। सभी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने अनुराग का मोबाइल चेक किया, जिसमें उसने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। पुलिस ने इस मामले की जांच में छह महीने से ज्यादा का समय लिया। जांच के दौरान पाया गया कि अनुराग ने आत्महत्या करने से पहले पत्नी को इस बारे में जानकारी दी थी। अनुराग भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) में कर्मचारी था। घटना के दिन वह अपने ससुराल उज्जैन गया था और फिर वापस आकर अपने कमरे में चला गया। इस दौरान उसने अपनी पत्नी तामश्री को कॉल किया और बताया कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। पत्नी ने घबराकर अपनी दोस्त को जानकारी दी और उसी ने अनुराग की बहन को यह बताया। इसके बाद अनुराग की बहन ने उसके बड़े भाई अजय को सूचित किया। जब अजय कमरे में पहुंचा तो वहां अनुराग को फंदे से लटका हुआ पाया।

इस पूरे मामले में उज्जैन महिला थाने में अनुराग की पत्नी तामश्री की शिकायत पर कार्रवाई की गई। मामले में पुलिस ने कई पहलुओं की जांच की और पाया कि अनुराग

केदारनाथ से लौटकर घर चली गई तामश्री, वापस नहीं लौटी

अनुराग की पत्नी तामश्री एक प्रोफेसर थीं, जिन्होंने एमटेक तक की पढ़ाई की थी। इसके बाद उन्होंने एलएनसीटी कॉलेज में नौकरी की। उनकी शादी 21 जून 2021 को अनुराग से हुई थी। दो साल बाद, मार्च 2023 में दोनों केदारनाथ गए थे। इसके बाद तामश्री उज्जैन चली गईं और इंदौर वापस नहीं आईं। 25 सितंबर को उसने कोर्ट का नोटिस अनुराग को भेजा और महिला थाने में शिकायत दर्ज करवाई। 26 सितंबर को महिला थाने में अनुराग को तलब किया गया था। उज्जैन महिला थाने की तत्कालीन टीआई, मधुबाला राठौर ने तामश्री द्वारा पति अनुराग के खिलाफ शिकायत की पुष्टि की थी।

जी फॉर जेंटलमैन! ऐसा हमेशा जरूरी नहीं है

प्राइमरी क्लास की वो किताबें आपको याद हैं, जहां अंग्रेजी वर्णमाला के सभी 26 अल्फाबेट के सामने एक तस्वीर होती थी? जब अल्फाबेट की बारी आती थी, तो अधिकतर किताबों में ह्यजेंटलमैनह्ल लिखा होता था। उसके साथ एक तस्वीर होती थी, जिसमें सूट-बूट, कोट, टाई और हाथ में ब्रीफकेस लिए एक व्यक्ति दिखाया जाता था।

बच्चे उस तस्वीर को देखकर उसके सरीखे बड़े होने का सपना देखते थे। उस अच्छे कपड़े पहने व्यक्ति की तस्वीर ने बच्चों के मन में यह धारणा बना दी कि यदि कोई व्यक्ति उस तस्वीर की तरह दिखता है, तो वह अवश्य जेंटलमैन होगा। यही हमारी शिक्षा प्रणाली की विडंबना है। यह विश्वास इतना गहरा हो गया है कि कई दशकों बाद भी, जब कोई अच्छे कपड़े पहने सहयात्री हमारे पास बैठता है, तो हम तुरंत मान लेते हैं कि वह जेंटलमैन होगा। और अहमदाबाद-वडोदरा-सूरत के बीच यात्रा करने वाले कई यात्रियों ने यही एक गलती कर दी और इस गलतफहमी की भारी कीमत चुकाई। उन्हें अपने-अपने स्कूलों के प्राइमरी टीचर्स को इस बात के लिए दोषी ठहराना चाहिए कि बचपन में उन्हें जेंटलमैन शब्द का सही मतलब कभी नहीं सिखाया गया! उन्हें कभी नहीं बताया गया कि जेंटलमैन बनने के लिए महंगे कपड़े जरूरी नहीं हैं, बल्कि जेंटलमैन का मतलब समाज में आपके व्यवहार और आचरण से होता है, जो कि रोजमर्रा की जिंदगी में आप दिखाते हैं। यहां इसका उदाहरण है।

26 वर्षीय विकास नामदेव उन लोगों का सहयात्री था, जिसे असली चीजों पर विश्वास था, चाहे वह पहनने के लिए कपड़े हों या खाने के लिए रसगुल्ले। वो गुजरात या दिल्ली की किसी स्थानीय मिठाई की दुकान से संतुष्ट नहीं होता था। वो कोलकाता की फ्लाइट बुक करता, रसगुल्ले का आनंद

> कोई सरहद उसे रोके ही नहीं! जहां तक नेताओं के खिलाफ हास्य या व्यंग्य की बात है, नेहरू जी, अटल जी और मनमोहन सिंह पर खूब हास्य बने, व्यंग्य भी लिखे गए लेकिन उन्होंने उन सब को घोर सकारात्मक रूप में लिया। अगर कुछ अच्छा लगा तो सुधार भी किए गए। लेकिन आज की राजनीति वैसी नहीं रही। जिस तरह राजनीति का स्तर नीचे आया है, नेताओं की सहनशक्ति भी कम हुई है। कहा यह भी जा सकता है कि कुछ लोग आजकल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए भी राजनेताओं या बड़े लोगों पर बोलते रहते हैं। उस बात का प्रभाव या कुप्रभाव जानते हुए भी।

लेता और उसी रात लौट आता। उसका दावा था कि वो एक ह्लटेक्सटाइल बिजनेसमैनह्ल है। यहां तक कि एक गिलास स्कॉच के लिए भी वो गोवा जाता, मस्ती करता और उसी रात काम पर लौट आता, क्योंकि उसका काम देर रात या अलसुबह के शुरूआती घंटों में शुरू होता था। लेकिन, नामदेव वास्तव में एक धनी व्यवसायी नहीं था। जाहिर तौर पर उसके चमचमाते लुक और ब्रांडेड कपड़ों को देखकर किसी के भी मन में उसके प्रति शंका नहीं हुई। महंगे कपड़े पहनकर वह अहमदाबाद और वडोदरा के बीच चलने वाली ट्रेनों में थर्ड एसी या सेकंड एसी टिकट बुक करता था।

सुबह 3 से 4 बजे के बीच ट्रेन में चढ़ता, पूरे कोच का चक्कर लगाता और गहने पहने हुए सो रही महिलाओं को निशाना बनाता। गहने चुराने के बाद वडोदरा या सूरत में उतर जाता। उसने खासतौर पर अहमदाबाद-वडोदरा-सूरत रूट को चुना, क्योंकि शादी के सीजन में यात्री महंगे गहने लेकर सफर करते हैं। पकड़े जाने से बचने के लिए वह वडोदरा और अहमदाबाद में होटल रूम बुक करता था। ट्रेन टिकट और होटल बुकिंग के लिए वह चोरी के आधार कार्ड का इस्तेमाल करता था। मध्य प्रदेश के निवासी नामदेव ने 12वीं कक्षा में पढ़ाई छोड़ दी थी और अपनी आलीशान जीवनशैली की जरूरतें पूरी करने के लिए शातिराना ढंग से ट्रेन में चोरी करता था। शुरूआत में उसने मध्य प्रदेश में वाहनों की चोरी की, लेकिन बाद में ट्रेन चोरी पर ध्यान केंद्रित किया। पिता की मृत्यु के बाद उसने घर छोड़ दिया था और परिवार में उसकी मां, भाई और बहन को पता था कि महंगे कपड़े और तोहफों से वह अपना असली चरित्र नहीं छिपा सकता, क्योंकि वह अंदर से जेंटलमैन नहीं था। इसलिए परिवार ने उससे सारे संबंध तोड़ लिए।

संत वचन

एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा। फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के ...
लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। इन सभी में संदर्भ को इस तरह से समझा जाना चाहिए

जज के घर पर जलते नोटों ने कई सवाल खड़े किए हैं

हम जैसे पत्रकारों- जिन्होंने बीते तीन दशकों में देश में क्या कुछ नहीं होते देखा है- के लिए भी दिल्ली उच्च न्यायालय के जज के घर पर जलते हुए नोटों की तस्वीरें हैरान कर देने वाली थीं! न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर के बाहरी हिस्से में आग लगने पर ये जलते हुए नोट मिले थे। जब उनके किसी परिचित ने मदद के लिए फायर ब्रिगेड को फोन किया, तब जज स्वयं घर पर नहीं थे। उसके बाद जो हुआ, उसे फिर से दोहराने की जरूरत नहीं। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जांच के नतीजों तक जज को न्यायिक कर्तव्यों से अस्थायी रूप से मुक्त कर दिए जाने के बावजूद कई ऐसे सवाल मुंह बाए खड़े हैं, जिनके अभी तक कोई जवाब नहीं मिले हैं। आग लगने की घटना और जलते हुए नोटों से भरे कमरे का पता लगना 14 मार्च को होली की रात को हुआ था। लेकिन आज तक यह नहीं पता चल पाया है कि वहां से कुल कितनी रकम बरामद

एडिट.नोट

हुई? या सब जल गई? और अगर आग में सारे नोट जल गए, तो पुलिस ने रकम का अंदाजा कैसे लगाया?कहा जा रहा है कि कमरे में 15 करोड़ रुपए मिले हैं। लेकिन क्या किसी ने इसकी गिनती की? अगर नहीं, तो इस आंकड़े का आधार क्या है? वीडियो में दमकलकर्मियों को जलते नोटों की लपटों को बुझाते देखा जा सकता है। क्या वे कोई नोट बचाने में कामयाब रहे या नहीं? और सबसे बड़ा सवाल- यह पैसा किसका है? क्या जज उन पैसों के प्राप्तकर्ता थे या नहीं? और अगर थे तो पैसे देने वाला कौन था? भले ही इनमें से अंतिम प्रश्न के उत्तर के लिए विस्तृत जांच की आवश्यकता हो, लेकिन कम से कम दूसरे बुनियादी सवालों के जवाब तो हमें मालूम होने चाहिए। जज ने अपने खिलाफ साजिश का दावा किया है। वे यह भी कहते हैं कि जब उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार-जनरल अगले दिन (यानी 15 मार्च को) मौका-मुआयना करने गए, तो उन्होंने वहां नोट जलने का कोई सबूत दर्ज नहीं किया था।

अगर यह सच है तो मलबा हटाने का आदेश किसने दिया? और अगर मलबा हटाया गया था, तो मीडिया द्वारा कैप्चर किए गए दृश्यों में सूखे पत्तों के बीच जले हुए नोटों के छोटे-छोटे टुकड़े कैसे दिख रहे हैं? क्या पुलिस ने कमरे से बरामदगी पर पंचनामा तैयार किया था? क्या उन्होंने कमरे में मौजूद हर चीज को जब्त करके फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है? इस मामले में जस्टिस वर्मा की प्रतिक्रियाएं भी परस्पर विरोधाभासी रही हैं। एक तरफ तो उन्होंने तर्क दिया है कि जिस आउटहाउस में जलते हुए पैसे को फिल्माया गया था, उसका उनसे और उनके परिवार से कोई संबंध नहीं था।

उन्होंने दावा किया कि जिस कमरे में आग लगी थी, उसे एक बाउंड्रीवॉल उनके घर से अलग करती है। उनकी दलील मानें तो वो कम से कम इस बात से इनकार करते नहीं मालूम होते हैं कि वहां से नोट मिले थे। उनकी कोशिश उन जले हुए नोटों से खुद को अलग करने भर की रही है। लेकिन अपने बयान के दूसरे हिस्से में वे इस बात पर जोर देते हैं कि दिल्ली हाईकोर्ट के प्रतिनिधि जले हुए नोटों का कोई सुराग नहीं खोज पाए हैं! मामले में अपनी पहली प्रतिक्रिया में सुप्रीम कोर्ट ने प्रेस बयान जारी करते हुए बताया कि जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद में उनकी होम हाईकोर्ट में वापस तबादला करने का कदम उनके खिलाफ जारी जांच से जुड़ा हुआ है। लेकिन सवाल उठता है कि शिकायत के संज्ञान में आने के बाद स्थानांतरण की कार्यवाही को क्यों नहीं रोक दिया गया? सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की जांच से जुड़ी हर बात को पब्लिक डोमेन में रखा। इस तरह मीडिया और आमजन जज के घर में जलते नोटों की तस्वीरें देख पाए।

राज सरदेसाई- लेखक

रिया को बदनाम करने वाले क्या अब उनसे माफी मांगेंगे?

पत्रकारों पर अकसर यह आरोप लगाया जाता है कि वे दूसरों से तो जवाबदेही मांगते हैं, लेकिन खुद को शायद ही कभी कठघरे में खड़ा करते हैं। जब दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के घर पर बड़ी मात्रा में नकदी पाई गई, तो कई टीवी एंकरों ने आक्रोश के स्वर में पूछा कि न्यायाधीशों का न्याय कौन करेगा! लेकिन जब सीबीआई ने सुशांत सिंह राजपूत आत्महत्या मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर करते हुए बताया कि किसी भी तरह की गड़बड़ी का सबूत नहीं पाया गया है तो वैसा कोई आक्रोश मीडिया में नहीं पाया गया। जबकि देश जानना चाहता है कि उन लोगों की ओर से कोई माफी मांगी जाएगी या नहीं, जिन्होंने सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रबर्ती के खिलाफ चरित्र-हनन अभियान चलाया था।

रिया तब अचानक विवादों में घिर गई थीं, जब जून 2020 में सुशांत को उनके मुंबई स्थित घर में मृत पाया गया था। इसके बाद कई हफ्तों और महीनों तक रिया और उनके परिवार को परेशान किया गया। उन पर सुशांत की रहस्यमयी मौत में शामिल होने का आरोप लगाया गया। शुरू में प्राइम टाइम टीवी नैरेटिव ने सुझाया कि रिया और उनका परिवार सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी है। फिर दावा किया गया कि यह हत्या की साजिश थी। रिया पर सुशांत के पैसों पर नजर रखने वाली महिला होने से लेकर ड्रग-डीलर होने तक के दुर्भावनापूर्ण आरोप गढ़े गए। उन पर काला जादू करने का इलजाम तक लगाया गया। सोशल मीडिया का हाल तो इससे भी बुरा था। रिया को मुख्य अपराधी मानकर ह्यजस्टिस फॉर सुशांतह्ल हैशटैग से लगातार अभियान चलाया गया। कुछ भी साबित नहीं हुआ था, फिर भी रिया को गिरफ्तार कर लिया गया और एक महीने तक भायखला जेल में रखा गया।

आज लगभग पांच साल बाद रिया को निर्दोष करार दिया गया है। लेकिन उनका फिल्म करियर लगभग खत्म हो चुका है। उनके भाई एमबीए करने विदेश जाने वाले थे, लेकिन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की जांच ने उनके सपने को चकनाचूर कर दिया। रिया के पिता आर्मी डॉक्टर थे और उन्होंने 25 साल तक सैनिकों की सेवा की थी, लेकिन उन्हें भी नहीं बख्शा गया। एक परिवार को टीआरपी के लिए निशाना बनाया जाता रहा। याद करें कि वह कोविड लॉकडाउन का समय था। लोग अपने घरों में कैद थे। ऐसे में जब टीवी मीडिया को उनका मार्गदर्शन करना चाहिए था, तब मीडिया के एक वर्ग ने ह्यखोजीह्ल पत्रकारिता के नाम पर खराब तरह की जासूसी का विकल्प चुना। महेश भट्ट के साथ रिया की व्हाट्सएप चैट्स को सार्वजनिक कर दिया गया, ताकि एक स्तरहीन चर्चा शुरू की जा सके, जिसका सुशांत मामले से कोई ठोस संबंध नहीं था। मामले में आदित्य ठाकरे को घसीटने से लेकर दीपिका पादुकोण और करण जौहर जैसे बॉलीवुड सितारों से पुलिस पूछताछ तक, कुछ एंकरों द्वारा समाचार बुलेटिन को प्राइम टाइम रियलिटी शो बनाने का हरसंभव प्रयास किया गया था। एक मायने में, रिया का मामला गलाकाट प्रतिस्पर्धा के दौर में न्यूज-टीवी के नैतिक रसातल में चले जाने को दशार्ता है। 1990 के दशक के मध्य में इसने एक आशाजनक शुरूआत की थी, लेकिन अब बहुत सारे चैनलों पर सनसनी और शोरगुल का आलम नजर आता है। रिया न्यूज-टीवी के स्त्री-द्वेष की भी शिकार हुई थीं। एक स्वतंत्र युवा स्त्री को अपनी ही छवि का शिकार बना दिया गया था। सुशांत और रिया की कहानी को टीवी सोप ओपेरा के रूप में पेश किया जा रहा था। और यही मुझे अपने मूल प्रश्न पर लेकर आता है कि क्या रिया को दोषी ठहराने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा? यह सिर्फ व्यक्तिगत मानहानि का मामला नहीं है।पत्रकार- जिनमें मैं भी शामिल हूं- किसी स्टोरी की गलत रिपोर्टिंग कर सकते हैं और समय-समय पर उन्हें इसके लिए माफी मांगनी पड़ती है। लेकिन रिया का मामला सिर्फ गलत पत्रकारिता का नहीं था। यह एक असहाय युवती के जीवन और प्रतिष्ठा को नष्ट करने का जानबूझकर किया गया दुर्भावनापूर्ण प्रयास था। उन्हें अपना पक्ष रखने का भी मौका नहीं दिया गया। मैंने अगस्त 2020 में रिया का इंटरव्यू किया था। वे शोकपूर्ण किंतु शांत थीं। यह पहली बार था जब किसी ने उनसे बात करने की कोशिश की थी। लेकिन उस इंटरव्यू के लिए भी मुझ पर बार-बार हमले किए गए। अगर टीवी मीडिया में विश्वसनीयता को बहाल करना है तो रिया का मामला ऐसा उदाहरण बनना चाहिए, जिसे कभी नहीं दोहराया जाना चाहिए।

बिजनेस

भारत में टेस्टेड, भारत के लिए निर्मित

OPPO एफ29 सीरीज, ड्यूरेबल चैंपियन का हुआ भारत में लॉन्च

भोपाल। OPPO इंडिया ने ट्यूरेबल चैंपियन OPPO F29 सीरीज पेश की है। यह ड्यूरेबल स्मार्टफोन और विश्वसनीय नेटवर्क प्रदान करती है। भारत में टेस्टेड और भारत के लिए निर्मित एफ 29 सीरीज में विश्व स्तरीय इंजीनियरिंग, मिलिट्री-ग्रेड की मजबूती, बेहतर कनेक्टिविटी और शक्तिशाली बैटरी परफॉरमेंस का बेहतरीन मिश्रण है। इन सभी खूबियों के साथ यह खूबसूरत और स्लिम स्मार्टफोन व्यस्त गलियों से लेकर मुश्किल रास्तों तक हर चुनौती का सामना कर सकता है।

OPPO F29 सीरीज में उद्योग का अग्रणी डस्ट एवं लिक्विड प्रोटेक्शन दिया गया है। इसलिए यह केरल के मानसून और राजस्थान की भारी गर्मी से लेकर कश्मीर की बर्फीली ठंड तक भारत के चुनौतीपूर्ण वातावरण को सहन कर सकता है। IP66, IP68 और IP69 मानकों के लिए भारत में SGS (सोसाइटी जेनरल डे सर्विलांस), बेंगलुरु द्वारा टेस्टेड एफ 29 सीरीज अपने सेगमेंट में सबसे मजबूत स्मार्टफोन है। IP66 रेटिंग के कारण यह पानी की तेज धार का सामना कर सकता है। इसलिए यह वेंडर्स से लेकर कंस्ट्रक्शन कर्मियों तक उन सभी लोगों के लिए उत्तम है, जो गीले वातावरण में काम करते हैं। क्ढ68 रेटिंग के कारण यह 30 मिनट तक 1.5 मीटर गहरे पानी में डूबने पर भी सुरक्षित रहता है। यानी पानी से भरे गड्ढों और रसोई के सिंक में गिरने पर भी यह सुरक्षित रहेगा। वहीं क्ढ69 रेटिंग के कारण यह 80 डिग्री त्उ तक के उच्च दबाव, उच्च तापमान वाले पानी की धार को सहन कर सकता है। इसलिए यह उद्योगों में या बहुत ज्यादा नमी वाले मौसम में काम करने के लिए उत्तम है।

एफ 29 सीरीज बेहतर लिक्विड रेजिस्टेंस के कारण भारी बारिश, नदी के पानी, गर्म झरनों, जूस, चाय, दूध, कॉफी, बीयर, भाप, बर्तन धोने के पानी, डिटर्जेंट का घोल, बर्फीला पानी क्लीनिंग फोम और गंदे पानी के गिरने पर भी सुरक्षित रहती है। अगर यह पानी में डूब जाए, तो एक अद्वितीय कंपन वाली साउंड स्पीकर से पानी को बाहर निकाल देती है।

OPPO इंडिया के हेड, प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस, सैवियो डिसूजा ने कहा, OPPO F29 सीरीज भारत के लिए निर्मित है झ्र इसमें ड्यूरेबिलिटी के साथ मजबूती, कनेक्टिविटी और परफॉर्मेंस का बेहतरीन मिश्रण है। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ रेटिंग और मिलिट्री-ग्रेड की मजबूती के साथ हमारा जबरदस्त हंटर एंटीना और शक्तिशाली बैटरी, ये सभी विशेषताएं भारत में सड़क पर चलने वालों के लिए विकसित की गई हैं। इस सारे विशिष्ट फीचर्स को एक स्लिम, स्टाइलिश डिवाइस में पैक किया गया है, जो इस सेगमेंट में एक नया कीर्तिमान स्थापित करती है। एफ 29 सीरीज का हर हिस्सा सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। इसमें 360डिग्री आर्मर बॉडी है, जिसमें स्पंज बायोनिक कुशनिंग दी गई है। यह इसके गिरने पर झटकों को अवशोषित कर लेती है। इसमें फाइबरग्लास से बना एक एलिवेटेड बैटरी कवर है। संरचनात्मक मजबूती के लिए कठोर साइड फ्रेम तथा कैमरे की सुरक्षा के लिए एक मजबूत लेंस प्रोटेक्शन रिंग दिया गया है। डिवाइस की सुरक्षा के लिए बॉक्स में एक कवर भी आता है, जिसके कोने अतिरिक्त पैडिंग के साथ उभरे हुए डिजाइन के हैं, ताकि स्मार्टफोन के कोने सुरक्षित रहें और स्क्रीन पर हल्का ओवरलैप होने के कारण यह सीधी टक्कर से सुरक्षित रहती है।

एफ 29 सीरीज एयरोस्पेस-ग्रेड AM04 एल्युमीनियम अलॉय फ्रेम द्वारा निर्मित है, जो इसके पूर्ववर्ती डिवाइस की तुलना में 10% ज्यादा ड्यूरेबल है। इसे 14 कठोर मिलिट्री स्टैंडर्ड (MIL-STD-810H-2022) परीक्षणों से गुजारा गया है। अत्यधिक तापमान और बारिश से लेकर झटके, धूल, साल्ट मिस्ट और कंपन तक एफ 29 सीरीज हर मामले में ड्यूरेबल रहती है, जिनमें अन्य स्मार्टफोन फेल हो जाते हैं।
यह रोड वॉरियर्स के लिए बनाया गया है, जिसकी कनेक्टिविटी बेजोड़ है।

राज-काज

सोना 995 रुपए महंगा होकर 89,164 पर पहुंचा

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (क्ठखअ) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 22 मार्च को सोना 88,169 रुपए पर था, जो अब (29 मार्च) को 89,164 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 995 रुपए बढ़ी है। वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को 97,620 रुपए पर थी, जो अब 1,00,892 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 3,272 रुपए बढ़ी है। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 रुपए और सोने ने 89,306 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 83,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 91,350 रुपए है।

अडाणी ग्रीन एनर्जी की सब्सिडियरी का सोलर-पावर प्रोजेक्ट शुरू

मुंबई। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (अॠए्छ) की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी अडाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी सेवन लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में 37.5 मेगावाट के सोलर पावर प्रोजेक्ट को शुरू कर दिया है। इस बात की जानकारी अडाणी ग्रीन एनर्जी ने 29 मार्च को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी है। अडाणी ग्रीन एनर्जी ने कहा कि लेटेस्ट डेवलपमेंट के बाद कंपनी की टोटल रिन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी बढ़कर 13,737.8 मेगावाट हो गई है। एक दिन पहले अॠए्छ ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी अडाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग ट्वेल्व लिमिटेड के जरिए राजस्थान में 400 मेगावाट का एक सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट हासिल किया है।

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (वढढउछ) ने कंपनी को यह प्रोजेक्ट दिया है। कंपनी इस प्रोजेक्ट से राज्य को 2.57 रुपए प्रति किलोवाट-घंटे ('हँ) की दर से 25 सालों तक बिजली की सप्लाई करेगी। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का दिसंबर तिमाही में कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 85% बढ़कर 474 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में ये 256 करोड़ रुपए रहा था।

बिजली बिक्री से रेवेन्यू बढ़कर 1,993 करोड़ रुपए हो गया हायर पावर सप्लाई रेवेन्यू की वजह से कंपनी का नेट प्रॉफिट बढ़ा है। बिजली बिक्री से रेवेन्यू पिछले साल की समान अवधि के 1,765 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,993 करोड़ रुपए हो गया। ऑपरेशनल कैपेसिटी 37% बढ़कर 11,609 मेगावाट हुई कंपनी की ऑपरेशनल कैपेसिटी साल-दर-साल 37% बढ़कर 11,609 मेगावाट हो गई, जिसमें 3,131 मेगावाट के नए पावर प्लांट्स शामिल हैं। अॠए्छ ने कैलेंडर ईयर 2024 में भारत के यूटिलिटी-स्केल सोलर इंस्टॉलेशन में 15% और विंड कैपेसिटी एडिशन में 12% का योगदान दिया।

अरुणाचल प्रदेश की उत्तरी सीमा पर त्रि-सेवा एकीकृत बहु-क्षेत्रीय युद्ध अभ्यास की एक झलक।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, रविवार, 30 मार्च, 2025
www.adityabharat.com

मध्य प्रदेश के श्योपुर में स्थित कूनो नेशनल पार्क अब विदेशी और भारतीय चीतों का शानदार घर बन गया है, जहां दौड़ते भागते और खेलते हुए चीते नजर आते हैं। कूनो नेशनल पार्क में चीते बिना किसी डर के घूम रहे हैं। टूरिस्ट अब चीतों को अपनी आंखों से देख सकते हैं, जिससे यहां के पर्यटकों में रोमांच बढ़ रहा है।

शॉट न्यूज

नर्सों ने गर्भवती की नहीं करवाई डिलीवरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में से सिस्टम की लापरवाही को उजागर करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक गर्भवती महिला को दो बार स्वास्थ्य केंद्र से कथित तौर पर लौटा दिया गया और बाद में जन्में नवजात शिशु की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 23 और 24 मार्च की दरम्यानी रात सैलाना कस्बे में हुई। तीसरी बार पत्नी को अस्पताल ले जाते हुए व्यक्ति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। सैलाना के सब डिविजनल मजिस्ट्रेट मनीष जैन ने बताया, '23 मार्च को सुबह नौ बजे सैलाना के कालिका माता मंदिर रोड निवासी कृष्ण ग्वाला अपनी पत्नी नीतू को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां नर्स चेतना चारेल ने उसे यह कहकर वापस भेज दिया कि प्रसव दो-तीन दिन बाद होगा।

बुजुर्ग से मांगी लिफ्ट लेकर किया ब्लैकमेल

निवाड़ी। मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में पुलिस ने बुजुर्ग से लिफ्ट मांगकर रेप और छेड़खानी के आरोपों में फंसाकर ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। आरोपियों ने बुजुर्ग को रेप के आरोप में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की मांग की थी। पुलिस ने गिरोह के 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक महिला आरोपी फरार होने में कामयाब हो गई। घटना का खुलासा करते हुए एडिशनल एसपी ने बताया कि 24 मार्च 2025 को टीकमगढ़ जिले के बम्होरी कला गांव के रहने वाले बुजुर्ग रामकिशोर राजपूत अपनी बाइक से टेहरका जा रहे थे, तभी रास्ते में एक लड़की ने उनसे लिफ्ट मांगी। थोड़ी दूर चलने के बाद लड़की ने उनकी बाइक रुकवाई और अपने तीन साथियों को बुला लिया। आरोपियों ने बुजुर्ग को घेर लिया और धमकी दी की अगर 10 लाख रुपये नहीं दिए तो उनके खिलाफ रेप और छेड़खानी का केस दर्ज करवा देंगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि एक महिला आरोपी फरार हो गए।

सुशासन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की प्रतीक लोकमाता के सम्मान में महेश्वर में कैबिनेट, चित्र प्रदर्शनियां, होगा नाट्य मंचन

देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के समापन कार्यक्रम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई के कार्यों से नई पीढ़ी को अवगत करवाने के लिए विविध आयोजनों के साथ ही सामान्य ज्ञान स्पर्धा भी आयोजित की जाए। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर गत एक वर्ष में महेश्वर में कैबिनेट के आयोजन, बटालियन का नामकरण देवी अहिल्या बाई के नाम पर करने, नाट्य मंचन और चित्र प्रदर्शनी जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां हुई हैं।

कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी अहिल्याबाई की महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित जन्मस्थली में भी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिये। स्कूली पाठ्यक्रम में लोकमाता के जीवन का विवरण शामिल किया गया है। विद्यालयों में बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण, इंदौर विश्वविद्यालय में देवी अहिल्या शोध पीठ की स्थापना और लोकमाता के अप्रकाशित पत्रों का प्रकाशन भी किया गया है। लोकमाता के जीवन से जुड़े स्थानों महेश्वर, चित्रकूट, ओरछा, इंदौर, जानापाव, उज्जैन, ममलेश्वर, ओंकारेश्वर, गौमुखघाट, अमरकंटक, बड़वानी, मंदसौर, शिवपुरी आदि स्थानों पर लोक गायन, लोक नृत्य और नृत्य नाटिकाएं गत सितम्बर से फरवरी 2025 तक की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ। यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार की शाम मंत्रालय में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के आयोजन के लिए गठित समारोह समिति की बैठक में बताया गया कि आगामी 31 मई को लोकमाता पर केन्द्रित स्मारिका का लोकार्पण प्रस्तावित है। इसके साथ ही 29 से 31 मई तक लोकमाता की 300वीं जयंती के वृहद समापन समारोह के अंतर्गत राजधानी भोपाल सहित विभिन्न स्थानों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम होंगे।

होंगे 29 मई तक : सीएम डॉ. यादव

प्रदेश की महिला उद्यमियों और शिल्पियों को प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि समिति के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के अनुरुप लोकमाता के जीवन से जुड़ी विशेषताओं के प्रचार-प्रसार के लिए आगे भी कार्य करेगी। बैठक में प्रमुख सचिव संस्कृति शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि देवी अहिल्याबाई द्वारा निर्मित मंदिरों की सूची तैयार की गई है। लोकमाता द्वारा अनेक मंदिरों का जीर्णोद्धार भी कराया गया। ऐसे ज्ञात 118 स्थानों में से 90 स्थानों पर 234 चित्रांकन वॉटर कलर द्वारा तैयार करवाए गए। इस कार्य में देश के लब्ध प्रतिष्ठित चित्रकारों द्वारा योगदान दिया गया। चित्र प्रदर्शनी गत दिसम्बर में बैंगलोर में मध्यप्रदेश दिवस, जनवरी में भोपाल में गीता महोत्सव और लोकरंग के साथ ही जनवरी और फरवरी 2025 में प्रयागराज महाकुंभ में भी संयोजित की गई। आगामी महीनों में लोकमाता से जुड़े स्थानों पर हो रहे आयोजनों में भी यह चित्र प्रदर्शनी जन आकर्षण का केन्द्र रहेगी। विभिन्न आयोजनों में महिला उद्यमियों और शिल्पियों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया है। महिला स्टार्ट-अप पॉलिसी भी बनाई जा रही है।

लोकमाता के जीवन ओर कार्यों पर नृत्य नाट्य-लाइट एंड साउंड शो

समिति की बैठक में जानकारी दी गई कि विश्व मांगल्य सभा नागपुर से एक नृत्य नाट्य तैयार करवाया गया जो लोकमाता के जीवन की झलक प्रस्तुत करता है। इसकी प्रस्तुति प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर प्रारंभ की गई है। विश्व संवाद केन्द्र न्यास, इंदौर ने नर्मदा साहित्य मंथन अहिल्या पर्व के रुप में मनाया। पर्यटन निगम ने महेश्वर किले पर लोकमाता के जीवन पर लाइट और साउंड शो तैयार करवाया गया है। इसे देवी अहिल्याबाई की पुण्यगाथा के नाम से प्रस्तुत किया जाएगा। धर्मपाल शोधपीठ में मोढ़ी लिपि के प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की है। इस प्राचीन लिपि का कई शताब्दियों तक चलन रहा है। मराठी भाषा लिखने के लिए कभी इसी लिपि का इस्तेमाल होता है।

कई राज्यों में हुए थे लोकमाता के जनकल्याण कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के साथ ही लोकमाता के जनकल्याण के कार्य क्षेत्र में महाराष्ट्र, हरियाणा, उड़ीसा, कर्नाटक, गुजरात, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और अनेक स्थान रहे हैं। मध्य प्रदेश में महेश्वर साड़ी के निर्माण में महिलाओं को हाथकरघा बुनाई, रंगाई और आकल्पन से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया है। लोकमाता के शासनकाल में महेश्वरी साड़ी की वैश्विक पहचान बनी थी। खरगोन जिले में स्थित ऐतिहासिक महेश्वर किले की दीवारों पर निर्मित कलात्मक आकल्पन को महेश्वरी साड़ियों में उकेरा जाता है।

नदी हो या नाला, माफिया बना लेते हैं सड़क

नर्मदा के बीचों-बीच बना रास्ता कर रहे थे अवैध खनन

संवाददाता ● जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में रेत माफियाओं का आतंक सिर चढ़कर बोल रहा है। प्रशासन और पुलिस की नाक के नीचे नर्मदा नदी में अवैध रेत उत्खनन का कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। हाल ही में बेलखेड़ा थाना क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया, जहां माफियाओं ने नर्मदा की धारा को रोककर नदी के बीच तक पहुंचने के लिए अस्थायी सड़क बना दी। इस सड़क के सहारे जेसीबी और हाईवा मशीनों को बीच नदी तक ले जाकर अवैध रेत किया जा रहा था।

मामला

गांव वालों की अवैध खनन के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। तहसीलदार के नेतृत्व में पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने बेलखेड़ा थाना क्षेत्र के न्यू चरगवां घाट में छापेमार कार्यवाही की। प्रशासन को देखते ही रेत माफिया मौके से फरार हो गए। कार्यवाही के दौरान अवैध खनन में इस्तेमाल की जा रही मशीनें और नावें पुलिस ने जब्त कर ली। स्थानीय गांव वालों का आरोप है कि रेत माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

'माफियाओं को लग जाती है पहली ही भनक'

इस वजह से प्रशासन उनके अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई करने से बचता है। गांववालों ने यह भी बताया कि शिकायतें करने के बावजूद प्रशासन कई बार चुप्पी साधे रहता है। जब भी कार्रवाई होती है माफियाओं को पहले ही इसकी भनक लग जाती है, जिससे वह भागने में सफल हो जाते हैं। जानकारी के मुताबिक, जबलपुर जिले के बेलखेड़ा, शहपुरा, बरगी, चरगवां, एवं तिलवारा थाना क्षेत्र में दर्जनों अबैध घाट संचालित हो रहे है।

राजनीतिक संरक्षण के चलते चल रहा अवैध धंधा

प्रशासन का दावा है कि अवैध रेत खनन पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है और माफिया बेखौफ होकर अपने मंसूबों को अंजाम दे रहे हैं। जबलपुर जिले में अवैध रेत खनन एक गंभीर समस्या बन चुका है। प्रशासन की निष्क्रियता और राजनीतिक संरक्षण के चलते यह धंधा खुलेआम चल रहा है। अगर जल्द ही सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो नर्मदा नदी का पारिस्थितिकी तंत्र बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

भोपाल में MANIT के जंगल में लगी भीषण आग

संवाददाता ● भोपाल

मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MANIT) के जंगल में शनिवार सुबह आग लग गई। तेज हवा से आग भी तेजी से फैली और बड़े इलाके में लग गई। पिछले 4 घंटे से आग को बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक 30 से ज्यादा टैंकर और दमकलें यहां आ चुकी हैं। आगजनी की घटना सुबह 9 बजे हुई।

हॉस्टल के पास झाड़ियों में आग फैल गई, जो बड़े इलाके में पहुंच गई। तुरंत पुल बोगदा एवं माता मंदिर फायर स्टेशन से दमकलें मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। दोपहर 1 बजे तक 6 दमकलें और 25 से ज्यादा टैंकरों के जरिए आग पर काबू पाने का प्रयास जारी रहा। फायरकर्मी उमेशकुमार चैतन्य ने बताया कि आग बुझाने में 25 से ज्यादा कर्मचारी लगे हैं। कुछ जगहों पर आग लगी है, जिस पर काबू पा रहे हैं।

हजारों पौधे जले - आग से सबसे ज्यादा नुकसान पेड़-पौधों को हुआ है। हजारों पौधे जल गए। वहीं, झाड़ियों में भी आग लग गई। इस वजह से आग बेकाबू होती गई। फायरकर्मी उमेश चेतन, जितेंद्र कुमार, रिजवान, सलमान, नीलेश, अमित आदि भी आग बुझाने में जुटे रहे।

हॉस्टल के पास आग से बच्चे दहशत में आए - मैनिट का एरिया करीब साढ़े 6 सौ एकड़ में फैला है। जिस जगह आग लगी, उससे कुछ दूर हॉस्टल भी है। धुएं की वजह से स्टूडेंट्स में दहशत फैल गई। हालांकि, आग की लपटों पर जल्दी काबू पाने से ज्यादा दिक्कत नहीं आई।

यादव ने कहा, "हम नहीं मानते कि बुलडोजर से न्याय कराना है

बुलडोजर एक्शन पर सीएम का चौंकाने वाला बयान

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने कहा कि उनका बुलडोजर से न्याय में विश्वास नहीं है। मध्य प्रदेश में भी कई मामलों में देखा गया है कि आरोपियों के आवास पर बुलडोजर से कार्रवाई की गई है। इससे जुड़े सवाल पर मोहन यादव ने कहा, ''हम नहीं मानते कि बुलडोजर से न्याय कराना है। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि किसी ने कोई अवैध निर्माण किया है और नियमानुसार स्थानीय निकाय ने कार्रवाई की है तो मैं कुछ नहीं कर सकता।' बातचीत में मोहन यादव ने कहा, ''मेरी सरकार के सवा साल का औसत देखिए जिसमें एक आध घटना आपको जुड़ती दिखी होगी। हमने इस व्यवस्थाओं से बचने का प्रयास किया है।

बयान

सैलरी देने के लिए मार्केट से नहीं लिया पैसा- मोहन यादव

वहीं, बाजार से पैसा लेने के सवाल पर मोहन यादव ने कहा, "मेरा इस साल 4 लाख 21 हजार करोड़ का बजट है। 10 प्रतिशत हमने पूंजीगत निवेश में लगाया है। 15 लाख करोड़ की हमारी जीडीपी है। वार्षिक ग्रोथ 12 प्रतिशत है। सबसे तेजी से प्रगति करने वाला हमारा प्रदेश है। आज प्रति व्यक्ति आय एक लाख रुपये है। सात लाख हेक्टेयर में पहले खेती होती थी जो बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर हो गई है जिसे एक करोड़ हेक्टेयर तक ले जाने वाले हैं। हमने 40 हजार करोड़ बाजार से लिया है तो वह किसी को तनख्वाह देने के लिए नहीं लिया बल्कि निवेश के लिए लिया है।"

उद्यमशीलता से मिलेगा युवाओं को रोजगार : सीएम

युवाओं के रोजगार के मसले पर मोहन यादव ने कहा, "बेरोजगारी का मतलब केवल सरकारी नौकरी से नहीं है। 1।45 अरब का देश है। सरकारी नौकरियों का अनुपात देख लें तो बहुत कम है। सबको सरकारी नौकरी नहीं दी जा सकती। स्वावलंबन से नौकरी मिलेगी। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 30 लाख करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मिला है। इसमें 21 लाख यवाओं को हम रोजगार देने वाले हैं। हमारे यहां कृषि से लेकर पशुपाल तक हर क्षेत्र में रोजगार मिलता है। अलग हुनरों से रोजगार मिलता है। इसलिए उद्यमशीलता की राह पकड़ी है।"

भारतीय जीवन बीमा निगम के पॉलिसी धारकों को सेवाएं प्रदान करने के लिए विशेष उपाय

संवाददाता ● मुंबई

पॉलिसीधारकों को किसी भी कठिनाई से बचाने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय और मंडल कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कार्यालय दिनांक 29.03.2025, 30.03.2025 और 31.03.2025 को आधिकारिक कार्य समय के अनुसार सामान्य परिचालन के लिए खुले रखे जाएंगे। यह भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा दिनांक 12.03.2025 को जारी एडवाइजरी के अनुसार है। अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करेः कार्यकारी निदेशक (निगमित संप्रेषण) भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई। ईमेल आईडीः ed cc@licindia.com www.licindia.in पर विजिट करें। हमारा मानना है कि इस विज्ञप्ति में शामिल समाचार आपके पाठकों के लिए उपयोगी हैं। हालाँकि हम इसे यथाशीघ्र प्रकाशित करने के लिए आपको धन्यवाद देंगे, हम यह भी स्वीकार करते हैं कि ऐसा करने का निर्णय पूरी तरह से आप पर निर्भर है।

आलिया की सफलता से सारा अली खान को होती थी जलन

आलिया भट्ट इस वक्त इंडस्ट्री की टॉप हीरोइन हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल अचीवमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक एक्ट्रेस सारा अली खान ने ये खुलासा किया कि उन्हें आलिया भट्ट से जलन होती थी। एक समय उन्हें आलिया के प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ से जलन होने लगी थी। वो कहती हैं कि उन्होंने एक्ट्रेस की लाइफ में आने वाली चुनौतियों पर सोचा ही नहीं। उन्हें सिर्फ उनकी सफलता दिख रही थी।

एनडीटीवी युवा से बात करते हुए सारा कहती हैं- 'जब आलिया को नेशनल अवॉर्ड मिला था। उस वक्त मुझे लगा भगवान ये अवॉर्ड जीत गईं। उनके पास एक बच्चा भी है। उनकी जिंदगी तो सेट है। लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्हें यह सब पाने के लिए क्या-क्या सहना पड़ा होगा। एक एक्टर के तौर पर मैंने उन्हें अमानवीय बना दिया।' सारा अपनी बात में आगे कहती हैं, हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। किसी से जलन महसूस करने से पहले उस इंसान की पूरी कहानी जाननी होती है। अक्सर हम बिना किसी की मेहनत जाने उससे जलन लगते हैं। हमें बस दूसरों की सफलता दिखती है। उन्होंने कहा, हम नहीं देख पाते कि इसके पीछे क्या चल रहा है। जलन का मतलब है अंधापन। बता दें कि आलिया भट्ट को साल 2022 में उनकी फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला था। उसी साल अप्रैल में उन्होंने एक्टर रणबीर कपूर से शादी की थी। 2022 के नवंबर में दोनों राहा के पेरेंट्स बने। वहीं, सारा अली खान की बात करें तो उन्होंने साल 2018 में फिल्म 'केदारनाथ' से अपने करियर की शुरुआत की थी। सारा की 'स्काई फोर्स' इसी साल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पांस मिला था। जल्द ही वो फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में दिखेंगी।

एक्टर जॉनी लीवर की बेटी जेमी का छलका दर्द

दिग्गज एक्टर जॉनी लीवर अपनी बेहतरीन एक्टिंग और कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उनकी बेटी जेमी लीवर ने शुरुआती दौर में मिली आलोचनाओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अपने लुक्स के कारण उन्हें काफी नेगेटिविटी का सामना करना पड़ा, जिससे वह टूट भी गई थीं। टीवी एक्ट्रेस छवि मित्तल के पॉडकास्ट में जेमी लीवर से पूछा गया कि पिछले एक साल में उन्हें लोगों की जजमेंट और आलोचनाओं का सामना कैसे करना पड़ा और इसका उन पर कैसा असर पड़ा। इसका जवाब देते हुए जेमी ने कहा, 'मुझे कई बार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। कई बार मुझे मेरी नाक के लिए ट्रोल किया गया। एक दिन मैं फोटोशूट करवा रही थी, उसी दौरान एक मेकअप आर्टिस्ट ने मुझ पर भद्दा कमेंट किया था। मेकअप आर्टिस्ट ने कहा था कि इसका कटिंग करना पड़ेगा, नाक बहुत बड़ी है। ऐसा सुनना अंदर से तोड़ देता है। लगता है कि आप कभी भी अच्छे नहीं बन पाएंगे। वैसे भी मैं बचपन में मोटापे से जूझ रही थी। वजन घटाना आसान नहीं था, क्योंकि मुझे PCOS था।' जेमी ने आगे कहा, 'मुझे हमेशा कहा जाता था कि बड़े कूल्हे (हिप्स) शर्मनाक होते हैं। इस कारण मैं हमेशा इन्हें ढक कर चलती थी। कभी लंबी टी-शर्ट पहनती थी, तो कभी कुर्ते। मेरे पास हमेशा ऐसी ही वॉर्डरोब रही है। मुझे यह समझने में बहुत साल लग गए कि यह सुंदर है। आप जानते हैं, मेरे कर्व्स सुंदर हैं और लोग वैसा शरीर पाने की ख्वाहिश रखते हैं। और मैं इसका कुछ क्रेडिट कार्दशियनों को भी दूंगी, जिन्होंने मेरे कूल्हों को वाकई फेमस बनाया। तो उसके बाद लोग कहते हैं कि वाह, कर्व्स वाकई सुंदर दिखते हैं। इसलिए, मुझे अपने शरीर में अपनाने में बहुत समय लगा।'

ब्यूटी पेजेंट जीतने के बाद फिल्मों की लाइन नहीं लगती

2014 में मिस इंडिया का खिताब जीतने वाली मॉडल अलंकृता सहाय एक्टिंग में भी सक्रिय हैं। उन्होंने 2018 में फिल्म 'लव पर स्क्वायर फुट' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने 'नमस्ते इंग्लैंड', 'टिप्सी' जैसी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में अलंकृता ने दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान अपने नए प्रोजेक्ट्स और करियर को लेकर बात की। ऐसा नहीं है। मैं मिस इंडिया जीती थी तो मेरी कोई इंटेंशन नहीं थी एक्ट्रेस बनने की। बहुत किस्मत से और गॉड ग्रेस से मैं जीतकर आई। फिर मैंने मॉडलिंग शुरू की। कुछ गाने किए, बहुत सारे वीडियो कमर्शियल किए। करीब 300 ब्रांड्स के साथ काम किया। उसके बाद मैंने विक्की कौशल और अर्जुन कपूर के साथ फिल्म की, दुर्भाग्य से कोविड आ गया। उसके बाद हमारे एक डायरेक्टर के देहांत हो गया। जो हमारी फिल्म थी 'डेड गर्ल डोन्ट टॉक' वह पूरी होने के बावजूद भी रिलीज नहीं हो पाई। इस बीच मेरे पिता का देहांत हो गया। तब मैं बहुत टूट गई थी। उसके बाद मैंने ब्रेक लिया था। फिर मेरी फिल्म ऑस्कर तक पहुंची तो वह मेरे लिए काफी खुशकिस्मती की बात थी। उसके बाद मैंने एक फैंटसी शो जियो के साथ किया। अभी मैंने पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज पूरी की है। तो मेरी जर्नी सेपरेट है। आई थिंक सभी एक्टर्स की सेपरेट होती है। तो जितनी भी मिस इंडिया है या मिस यूनिवर्स हैं, एक टाइम में सुष्मिता मैडम थीं, प्रियंका चोपड़ा थीं, वो जमाना अलग था। तब मिस इंडिया को जो दर्जा दिया जाता था वह अलग था। उन्हें खास रिस्पेक्ट मिलती थी। आज कॉम्पिटिशन में सिर्फ हमारे एक्टर्स नहीं है। हमें इंस्टाग्रामर्स, ब्लॉगर से हर टाइप का कॉम्पिटिशन मिलता है, जो एक्टर-एक्ट्रेस एक-दूसरे के साथ कंपीट कर रहे हैं। और फिर मानुषी छिल्लर तो मिस वर्ल्ड हैं। तो ऐसे टाइटल जब आप जीतते हैं तो ऑटोमेटिकली दरवाजे खुल जाते हैं। मुझे कभी बुरा नहीं लगता कि अगर मेरी कोई काउंटर पार्ट अचानक से उन्हें कोई मैनेजमेंट अच्छी मिल गई, जो उनको अच्छे से प्रमोट करती है। इसका फायदा बहुत होता है। हमारे मिस इंडिया को तो जरूरी ये है कि जीतने के बाद आपकी टीम कैसी है? कैसे लोग आप आपको पुश करते हैं, किस तरीके से आपके मैनेजमेंट आपको काम दिलाती है। तो इन चीजों की मुझे पहले समझ नहीं थी। आज के टाइम की गर्ल्स बहुत स्मार्ट हैं। अच्छा काम करती हैं, उनकी टीम इतनी स्मार्ट है, उनको नेविगेट करना सिखाया जाता है। तो जब मैंने शुरू किया था तो मुझे इंडस्ट्री की कोई जानकारी नहीं थी।

ज्वेलरी चुराते दिखेंगे सैफ अली खान?

बॉलीवुड स्टार सैफ अली खान बीते दिनों उनपर हुए चाकू के हमले को लेकर सुर्खियों में रहे। अब इस हमले के बाद सैफ अली खान ने फिल्मों में वापसी कर ली है। सैफ की अपकमिंग फिल्म 'ज्वेल थीफः द हाइस्ट बिगिन्स' की रिलीज डेट सामने आ गई है। ये फिल्म 25 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो जाएगी। फिल्म में सैफ अली खान के साथ जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता के साथ मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। कूकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित ज्वेल थीफ में सैफ एक शालीन ठग की भूमिका में हैं। जयदीप फिल्म में भी अहम रोल में नजर आएंगे और दोनों के बीच दिमागी दांव-पेंच की लड़ाई देखने को मिलने वाली है। नेटफ्लिक्स ने फिल्म का पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। पोस्टर शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा, 'जितना बड़ा जोखिम, उतनी ही मीठी चोरी। आ रहा है अविश्वसनीय- ज्वेल थीफ। 25 अप्रैल को रिलीज़ होने वाली ज्वेल थीफ देखें, सिर्फ़ नेटफ्लिक्स पर।' ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स के बारे में बात करते हुए, सैफ अली खान ने एक बयान में कहा, 'सिड आनंद के साथ फिर से जुड़ना हमेशा घर आने जैसा लगता है, वह जानते हैं कि एक्शन, स्टाइल और स्टोरीटेलिंग को किस तरह से एक साथ लाया जाए जो वाकई खास है। ज्वेल थीफ के साथ हमने सीमाएं पार की हैं और इसे करने में बहुत मजा आया। जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने के कारण ये अनुभव और भी रोमांचक बन गया है। मैं नेटफ्लिक्स पर इस रोमांचक सवारी में दर्शकों के शामिल होने का इंतज़ार नहीं कर सकता।'

आलिया को नहीं पसंद किसी का 'बदल गई हो' कहना

आलिया भट्ट ने हाल ही में शेयर किया कि उन्हें यह पसंद नहीं है कि लोग उनसे बोले कि वह काफी बदल गई हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि हमेशा एक ही व्यक्ति बने रहना काफी खराब और मुश्किल है। आलिया का कहना है कि जिंदगी में बदलाव होना अच्छा है। आलिया भट्ट ने हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ बातचीत की। इस दौरान एक्ट्रेस से पूछा गया कि उन्हें कौन-सी बात सबसे ज्यादा नापसंद है। सवाल का जवाब देते हुए आलिया ने कहा, 'एक बात मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है, वो है लोगों का मुझसे कहना, 'अरे, तुम बदल गई हो।' मेरे हिसाब से यह ठीक है, मुझे लगता है कि समय के साथ बदलना अच्छा है। 16 साल की उम्र में आप जो थे, वही बने रहना डरावना है।' आलिया भट्ट ने इस बातचीत के दौरान कहा कि ऐसी कई बात हैं, जो वह चाहती थी कि इंडस्ट्री में आने से पहले कोई उन्हें बताता। आलिया ने कहा, 'ऐसी कई चीजें हैं जो मैं चाहती थी कि जब मैंने शुरुआत की थी, तब कोई मुझे बता देता। पहली, यह कि बदलाव जरूरी है। दूसरी, आपको जीवन में सब कुछ पता होना जरूरी नहीं है। आप गलतियां कर के उनसे सीख सकते हो और आगे बढ़ सकते हो। तीसरी, हमेशा कुछ न कुछ खाते रहें। आलिया ने अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी पर्सनालिटी में बदलाव महसूस किया और एक एक्टर के रूप में ग्रोथ को भी फील किया है।' आलिया भट्ट ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं बात करें एक्ट्रेस के अपकमिंग प्रोजेक्ट की तो वह अपनी मचअवेटेड स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा में शरवरी के साथ दिखाई देंगी। फिल्म को शिव रवैल ने डायरेक्ट किया है। फिल्म इस साल क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साथ ही आलिया साल 2026 में संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इसमें रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

'प्यार' और 'प्रलय' दोनों का अनोखा संगम लाएंगी मौनी

टीवी के छोटे पर्दे से बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर अपनी अलग पहचान बनाने वाली खूबसूरत हसीना मौनी रॉय आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। 'नागिन' और 'महादेव' जैसे शोज में अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ने के बाद एक्ट्रेस बॉलीवुड की राह पर चल पड़ीं। टीवी से पूरी तरह किनारा करने के बाद वो फिल्मों में कदम जा चुकी हैं। अक्षय कुमार की फिल्म 'गोल्ड' से डेब्यू करने के बाद उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई और फिर उन्हें अयान मुखर्जी की ब्रम्हास्त्र में देखा गया। इस फिल्म में भी लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया। इसके बाद से एक्ट्रेस लंबे ब्रेक पर रहीं, लेकिन अब वो फिर से वापसी कर रही हैं और उनकी नई फिल्म का ऐलान भी हो चुका है। मौनी रॉय इस अप्रैल आपको डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी अगली बड़ी फिल्म 'द भूतनी' 18 अप्रैल को रिलीज होगी, जो उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हॉरर-कॉमेडी में मौनी ने संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे नामों सहित बहुत ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके फिल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फिल्म के टाइटल का ऐलान किया था। जिसके साथ एक छोटा सा टीजर भी जारी किया गया था, जो काफी डरावना था। अब निर्माताओं ने फिल्म से मौनी का लुक भी जारी कर दिया है। उनके पहले लुक के पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नजर आ रही हैं, जिसमें और भी अधिक आकर्षक हरी आंखें हैं। उनके किरदार का नाम मोहब्बत है। पोस्टर के साथ एक टैगलाइन भी दी गई है- 'प्यार या प्रलय'। पोस्टर काफी शानदार है। मौनी का लुक आपको उनकी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर देगा, लेकिन साथ ही उनके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी रॉय को फिल्म 'द भूतनी' लुक जारी होने के बाद से ही सराहना मिलने लगी है। उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार निभाने और जोखिम उठाने के लिए नेटिजन्स द्वारा भी सराहा जा रहा है। 'द भूतनी' की रिलीज के बाद, अभिनेत्री अगली बार 'खुदा हाफिज' के निर्देशक फारूक कबीर के साथ नजर आएंगी। फिल्म में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी जा रही है।

न्यूज कॉलम

पीएम आवास योजना में लापरवाही करने वालों की सेवाएं की गई समाप्त

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। जिले के जनपद पंचायत भरतपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत नियुक्त आवास मित्रों की लापरवाही सामने आई है। जिला पंचायत कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन आवास मित्रों को आबंटित ग्राम पंचायतों में कार्य में लापरवाही बरतने, प्रगति शून्य रहने, बैठकों में अनुपस्थित रहने और क्षेत्रीय दौरा नहीं करने के कारण सेवा से पृथक कर दिया गया है। आदेश के अनुसार भरतपुर जनपद पंचायत के तहत कार्यरत आवास मित्र श्री सौरभ यादव, श्री गणेश तिवारी, श्री रवि प्रकाश, श्री आकाश जायसवाल और श्री रामप्रवेश की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इनके खिलाफ आरोप था कि ये अपने-अपने आबंटित ग्राम पंचायतों में निर्धारित दायित्वों का पालन नहीं कर रहे थे, जिससे प्रधानमंत्री आवास योजना के लक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति प्रभावित हो रही थी । एवं पंकज शर्मा ऑपरेटर (स्रेंट) जनपद पंचायत मनेद्रगढ़ के द्वारा कार्य में अनुपस्थित रहने पर मार्च माह का आगामी आदेश तक वेतन रोका गया ! प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। योजनाओं के क्रियान्वयन में यदि किसी के द्वारा लापरवाही की जाती है तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांसपोर्टर हत्याकांड में भाजपा मंडल अध्यक्ष समेत 3 गिरफ्तार

कोरबा। कोयला खदान में वर्चस्व को लेकर बीती रात पाली में ट्रांसपोर्टर रोहित जायसवाल की हत्या कर दी गई. इस मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी भाजपा मंडल अध्यक्ष रोशन सिंह ठाकुर समेत 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें उसके भाई और भांजे भी शामिल हैं. वहीं मामले में 8 आरोपियों ने सरेंडर कर दिया है. घटना के बाद से पाली में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है. पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया है ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे.वहीं मृतक के परिजनों ने शव को लेने से इनकार कर दिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी कर सख्त कार्रवाई की मांग की है. परिजनों का कहना है कि जब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, वे शव को नहीं ले जाएंगे। बता दें, पुलिस ने इस हत्याकांड मामले में कुल 16 लोगों (रोशन ठाकुर, गौरव सिंह ठाकुर, वासु ठाकुर, सौरभ श्रीवास, सुशांत ठाकुर उर्फ सीजू, संस्कार ठाकुर, मोंटी कश्यप, मुकेश श्रीवास, सुनील सागर, प्रभात दुबे, निलेश सिंह राज, कैलाश कैवर्त, अनिल मरावी उर्फ छोटू, मयंक सिंह ठाकुर, सूरज पासवान और सुरेंद्र सिंह चौहान) के खिलाफ नामजद ऋक्रफ्र दर्ज किया है. गिरफ्तार और सरेंडर हुए आरोपियों के अलावा अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

नहर में बहे छात्र का शव दो दिन बाद मिला

कोरबा। नहर में बहे स्कूली छात्र का शव दो दिन बाद घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर मिला है. सीएसईबी चौकी पुलिस और जिला प्रशासन के गोताखोर ने शव को नहर से बाहर निकाला.बालको परसाभांठा का निवासी मृतक अविनाश कुमार 11वीं कक्षा का छात्र था. दो दिन पहले नहर में अपने दोस्तों के साथ नहाने के लिए गया था. तैरना नहीं आने की वजह से नहाते समय पानी की तेज रफ्तार में बह गया था. घटना के बाद से गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश की जा रही थी, लेकिन पानी का बहाव अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिली.घटना के 24 घंटे बाद भी छात्र का पता नहीं चलने पर परिजनों ने कल परसाभांठा में चक्काजाम किया था. परिजनों का आरोप था कि नहर में पानी का बहाव कम नहीं किया जा रहा है. इसके साथ ही छात्र की गंभीरता के साथ तलाश नहीं करने का आरोप लगाया था. पुलिस की समझाइश के बाद चक्काजाम समाप्त किया था.

15 नक्सलियों ने किया सरेंडर, सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर छोड़ा हिंसा का रास्ता

संवाददाता ● दंतेवाड़ा

सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर नक्सली लगातार हिंसा का रास्ता छोड़ रहे हैं. दंतेवाड़ा जिले में आज 15 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है. लोन वरार्टू अभियान के तहत 15 माओवादी मुख्यधारा में लौटे, जिसमें 9 पद्धउ मिलिशिया सदस्य शामिल हैं. समर्पित माओवादियों को 25,000 रुपए की सहायता राशि और पुनर्वास की अन्य सुविधाएं दी जाएगी. बता दें कि अब तक 927 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है.आत्मसमर्पित माओवादियों में 09 बेचापाल आरपीसी मिलिशिया, सीएनएम एवं डीएकेएमएस सदस्य, 01 पोटाली आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष, 02 पल्लेवाया आरपीसी मिलिशिया व डॉक्टर टीम सदस्य, 03 हुरेपाल आरपीसी मिलिशिया एवं सीएनएम सदस्य के पद पर सक्रिय थे. आत्मसमर्पित सभी माओवादी अपने-अपने क्षेत्र में रोड खोदने एवं नक्सली बैनर, पोस्टर लगाने की घटना में शामिल थे.

जिला दंतेवाड़ा में पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी., पुलिस उप महानिरीक्षक दन्तेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप, पुलिस उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ दन्तेवाड़ा रेंज राकेश कुमार, पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूजा कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा रामकुमार बर्मन के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन लोन वरार्टू (घर वापस आईये) अभियान और छग शासन की ह्यह्यपुनर्वास नीतिह्णह्ण के तहत जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ भटके हुए माओवादियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए लगातार संपर्क एवं संवाद कर शासन की नक्सल पुनर्वास नीति का व्यापक प्रचार-प्रसार गांव-गांव तक कर रही है. इसके प्रभाव में लगातार

शीर्ष माओवादियों सहित भटके हुए माओवादी आत्मसमर्पण कर रहे. आज 15 नक्सलियों ने सरेंडर किया है. उक्त माओवादियों को आत्मसमर्पण कराने में आरएफटी (आसूचना शाखा) दन्तेवाड़ा, 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ, 195 वीं वाहिनी सीआरपीएफ, 230वीं वाहिनी सीआरपीएफ, एवं 231वीं वाहिनी सीआरपीएफ दन्तेवाड़ा का विशेष योगदान रहा। बता दें कि लोन वरार्टू अभियान के तहत अब तक 221 ईनामी सहित कुल 927 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं.

आत्मसमर्पित माओवादियों की सूची

1.सिक्का उर्फ भीमा मण्डावी पिता स्व0 नहीं मालूम उम्र लगभग 31 वर्ष निवासी पोटाली सूलेपारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा (पोटाली पंचायत जनताना सरकार अध्यक्ष)।

2.आसमति ओयाम पिता कमलू ओयाम उम्र लगभग 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी तिमेनार ओयामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (सीएनएम सदस्य)।

3. मंगल ओयाम पिता सन्नू ओयाम उम्र लगभग 42 वर्ष जाति मुरिया निवासी तिमेनार ओयामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (भूमकाल मिलिशिया सदस्य)।

4.लक्ष्मण उर्फ कर्मा पुनेम पिता आयतु पुनेम उम्र लगभग 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल देवापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर।(बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य)।

5.राजेश ओयाम पिता कुम्मा ओयाम उम्र लगभग 21 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल देवापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य)।

6.गजलू कुंजाम पिता स्व0 कुमा कुंजाम उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी बेचापाल गायतापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (बेचापाल आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य)।

7.सनकू कड़ती पिता बुधू कड़ती उम्र लगभग 30 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल स्कूलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य)।

8.दुनारू ओयाम पिता स्व0 सुदरू ओयाम उम्र लगभग 34 वर्ष जाति मुरिया निवासी बेचापाल गायतापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य)।

9. रूपाराम वेंजाम पिता स्व0 मंगलू वेंजाम उम्र लगभग 45 वर्ष जाति मुरिया निवासी निराम स्कूलपारा थाना बांगापाल जिला बीजापुर (ग्राम निराम डीएकेएमएस सदस्य)।

10 .घासी लेकाम उर्फ पिन्टू पिता स्व0 मंगल लेकाम उम्र लगभग 36 वर्ष जाति मुरिया निवासी निराम स्कूलपारा थाना बांगापाल जिला बीजापुर (ग्राम निराम डॉक्टर टीम सदस्य)।

11. भीमा तेलाम पिता डेक्का तेलाम उम्र लगभग 27 वर्ष जाति मुरिया निवासी तमोड़ी गायतापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (बेचापाल आरपीसी सीएनएम सदस्य)।

12. मनकू माड़वी पिता स्व0 बोड्डा माड़वी उम्र लगभग 34 वर्ष जाति मुरिया निवासी तमोड़ी लोहारपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (बेचापाल डीएकेएमएस सदस्य)। 13 .बोटी पदाम पिता जोगा पदाम उम्र लगभग 36 वर्ष जाति मुरिया निवासी तमोड़ी कुतूलंकापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य)। 14 .सन्नू ओढ़ी पिता बुधराम ओढ़ी उम्र लगभग 27 वर्ष जाति मुरिया निवासी तमोड़ी लोहारपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (बेचापाल आरपीसी मिलिशिया सदस्य)। 15. मनकु ओयाम पिता मंगल ओयाम उम्र लगभग 22 वर्ष जाति मुरिया निवासी तिमेनार ओयामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर (मिलिशिया सदस्य)।

सीएम साय ने जवानों की बहादुरी को सराहा

कहा- नक्सलवाद से मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़

संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में सुरक्षाबलों को एक और बड़ी सफलता मिली है। सुकमा जिले के केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली में आज हुई मुठभेड़ में अब तक 16 नक्सलियों के मारे गए हैं । इस ऑपरेशन में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के दो जवान घायल हुए हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस ऑपरेशन की सफलता पर जवानों की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ह्यह्ल पर लिखा, नक्सलवाद के नासूर को खत्म करने की दिशा में छत्तीसगढ़ के बढ़ते कदमङ्घ सुकमा जिले के केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ आज जारी मुठभेड़ में अब तक 16 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मुठभेड़ में डीआरजी के 2 जवान के घायल होने की खबर है। ईश्वर से शीघ्रातिशीघ्र उनके स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों की मांद में घुसकर उसको जड़ से खत्म करने का काम कर रहे हैं। निश्चित ही जवानों को मिली यह कामयाबी सराहनीय है, उनकी बहादुरी को नमन करता हूं। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी

के संकल्प के अनुरूप हमारा छत्तीसगढ़ 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। 16 नक्सलियों के एनकाउंटर को लेकर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह जवानों के भुजाओं की ताकत है. 16 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं. बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं. दो जवानों को चोट भी आई है, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं.

गृहमंत्री शर्मा ने आगे कहा कि 85 दिनों में 133 नक्सली मारे गए हैं. जो भी इसमें हैं, वो सरेंडर करें. सरकार उनका साथ देगी. अमित शाह जी का संकल्प और विष्णुदेव साय जी के मार्गदर्शन से तय तिथि पर टारगेट पूरा कर लिया जाएगा. पूरी ताकत पूरी दृढ़ता के साथ सरकार काम करेगी.

14 महीनों में 333 नक्सली ढेर, ऑपरेशन तेज

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से सुरक्षाबलों ने नक्सल विरोधी अभियान को और तेज कर दिया है। पिछले 14 महीनों में 63 मुठभेड़ों में 333 नक्सली मारे जा चुके हैं। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। इसके अलावा सुरक्षा एजेंसियों को कई अहम दस्तावेज भी मिले हैं, जो नक्सली संगठनों के खिलाफ रणनीति बनाने में मददगार साबित हो रहे हैं।

नक्सलवाद का खात्मा बस्तर के विकास की ओर एक बड़ा कदम

गौरतलब है कि नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद बस्तर की जनता को शांति और सुरक्षा का अनुभव होगा। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और बस्तर का विकास तेजी से होगा। छत्तीसगढ़ सरकार और सुरक्षा बलों का यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक राज्य पूरी तरह नक्सल मुक्त नहीं हो जाता।

मजदूरों से भरी ट्रेक्टर पलटी, 20 से अधिक गंभीर

गौरेला-पेण्ड्रा। छत्तीसगढ़ के जिले में आज सुबह-सुबह भीषण हादसा हो गया. गौरेला से लगे देवरगांव के करीब एक ट्रेक्टर की ट्रॉली पलट गई, जिससे ट्रॉली में बैठे 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. सभी घायलों को 108 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है. जानकारी के अनुसार, ट्रॉली में सवार सभी लोग वन उपज इकठ्ठा करने के लिए जा रहे थे. इसी दौरान वे हादसे का शिकार हो गए. घायलों में अधिकतम महिलाएं हैं. फिलहाल सभी का इलाज जारी है और सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.वहीं गौरेला के रानी दुर्गावती चौक में भी बाइक पर सवार पति पत्नी और बच्चे भी हादसे का शिकार हो गए. तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. इस घटना में बाइक चालक बुरी तरह घायल हो गया. वहीं उसकी पत्नी और मासूम बच्चा बाल-बाल बचे।

सौगात-ए-मोदी को लेकर छग वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सलीम राज का बड़ा बयान

कहा- भाजपा संतुष्टिकरण और कांग्रेस तुष्टिकरण की करती है राजनीति

संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ में सौगात-ए-मोदी अभियान के तहत रमजान के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के जरूरतमंद परिवारों को विशेष किट वितरित की गई. छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज ने सौगात-ए-मोदी को लेक- र करते हुए कहा कि पीएम मोदी की सौगात से समाज का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है और भाजपा संतुष्टीकरण की राजनीति करती है.डॉ. सलीम राज ने कहा कि तुष्टिकरण की नीति के कारण कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई, जबकि भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के हित में कार्य कर रही है.

जनता को मिल रहा योजनाओं का लाभ

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा है. उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना और आयुष्मान योजना से मुस्लिम समाज के भाई-बहनों को भी फायदा हो रहा है. यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण संभव हो पाया है.

हम संतुष्टीकरण की राजनीति करते हैं, तुष्टिकरण की नहीं

डॉ. सलीम राज ने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाना है. उन्होंने कहा, ह्लहम संतुष्टीकरण की राजनीति करते हैं, तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करते हैं.बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल ह्लसौगात-ए-मोदीह्व के तहत मुख्यमंत्री साय ने गरीब महिलाओं को गिफ्ट पैकेट वितरित किए जिसमें लेडीज सूट का कपड़ा, सेवइयां, खजूर और मिठाइयां शामिल थीं. शुक्रवार को रायपुर में अल्प संख्यक मोर्चे और छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 500 महिलाओं को गिफ्ट पैकेट वितरित किए गए.

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में 25 लाख का इनामी दरभा डिवीजन इंचार्ज हुआ ढेर

संवाददाता ● सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली है। आज सुबह केरलापाल थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए। इनमें झीरम घाटी हमले में शामिल नक्सली जगदीश उर्फ. बुधरा भी था, जो दरभा डिवीजन का इंचार्ज था और जिस पर 25 लाख का इनाम घोषित था। सुरक्षाबलों के मुताबिक, जगदीश वर्ष 2023 में सुकमा के अरणपुर में ऊम्ऋ जवानों पर हमले में भी शामिल था।

बता दें कि इस ऑपरेशन में ऊम्ऋ और उपद्धऋके जवानों ने नक्सलियों के गढ़ में घुसकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मुठभेड़ स्थल से अङ-47, रछफ इंसास राइफल, .303 राइफल, रॉकेट लॉन्चर और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। मुठभेड़ के बाद जब जवान नक्सलियों के शवों को लेकर

कैंप लौटे, तो नक्सल ऑपरेशन स्पेशलिस्ट ऊम्ऋ कमल लोचन ने उनका मिठाई खिलाकर स्वागत किया और उनकी बहादुरी की सराहना की। उन्होंने इसे नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में एक और बड़ा कदम बताया।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने जानकारी दी कि सुकमा-दंतेवाड़ा के सीमावर्ती इलाके में नक्सल कैडर की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को अभियान पर भेजा गया था। अभियान के दौरान 29 मार्च की रात 8 बजे से कई बार मुठभेड़ हुई, जिसमें अब तक 16 नक्सली मारे गए। इलाके में डिविजनल कमेटी और स्टेट लेवल कमेटी के नक्सली सक्रिय रहते हैं, इसी आधार पर यह ऑपरेशन चलाया गया था।

इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी

आईजी ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है और इलाके में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है। उन्होंने कहा कि घायल जवानों की हालत स्थिर है और उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा रही है।

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले में तारपीन तेल पीने से 5 साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई. इस घटना के बाद परिजन सदमे में हैं. परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है. यह मामला सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम राजापुर का है.जानकारी के मुताबिक, खेलने के दौरान मासूम बच्ची वंशिका चक्रधारी ने तारपीन तेल पी ली थी।

उन्हें सीएचसी सीतापुर में भर्ती कराया गया था, जहां इलाके दौरान उसकी मौत हो गई. मासूम का पोस्टमार्टम शव परिजनों को सौंपा जाएगा. 05 वर्षीय मासूम ग्राम राजापुर निवासी अर्जुन चक्रधारी की मासूम बेटी बताई जा रही है.इस घटना की पुष्टि करते हुए सीएचसी सीतापुर के जांच अधिकारी मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर नीरज कुशवाहा ने बताया कि फिलहाल सीतापुर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दे दी है. मृतका के शव का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा.

नगर पंचायत के पहले सम्मेलन में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदों ने अवैध नशीली पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने का लिया निर्णय

संवाददाता ● मुंगेली

छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के जरहागांव नगर पंचायत ने अवैध शराब एवं अन्य नशीली पदार्थों के सेवन और बिक्री पर रोक लगाने एक अनूठी मुहिम की शुरूआत की है। यहां नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदों ने नगर पंचायत के पहले सम्मेलन में अवैध नशीली पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया। साथ ही लिखित में पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग भी की है।जरहागांव नगर पंचायत में अवैध शराब व अन्य नशीली पदार्थों के बिक्री के सम्बंध में जरहागांव नगर पंचायत कार्यालय की ओर से जरहागांव थाना प्रभारी को लिखित में पत्राचार किया गया है। पत्र में उटड एसके गुप्ता से लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष रुपाली वेदप्रकाश कश्यप, उपाध्यक्ष मनोज कश्यप और पार्षदों का हस्ताक्षर है। पत्र में कहा गया है कि 28 मार्च को आयोजित नगर पंचायत जरहागांव के विशेष सम्मेलन में नव निर्वाचित अध्यक्ष -उपाध्यक्ष एवं पार्षदों ने सर्व सम्मति से नगर में अवैध रूप से नशीली पदार्थों के बिक्री किये जाने पर असंतोष व्यक्त करते हुए तत्काल इस पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में नगर पंचायत के पदाधिकारी एवं सदस्यों के हस्ताक्षर युक्त पत्र लिखित में जरहागांव थाना प्रभारी को कार्रवाई के लिए ज्ञापन के रूप में दिया गया है, जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत जरहागांव का भी हस्ताक्षर है।

इस शिकायत को लेकर नगर पंचायत जरहागांव के पदाधिकारियों के पदाधिकारियों का कहना है कि जरहागांव नगर में अवैध शराब एवं अन्य नशीली पदार्थो के अवैधानिक तरीके से बिक्री किये जाने से बच्चे से लेकर युवा व बुजुर्ग भी नशे के आगोश में समाता जा रहा है। जिससे नगर सहित आसपास के लगे गांवों में शाम होते ही महौल अत्यंत खराब हो जाता है।ऐसे में असामाजिक तत्वों के द्वारा कई तरह के आपराधिक कृत्यों को अंजाम दिया जाना आसानी से संभव हो जाता है।नगर पंचायत जरहागांव व छतौना में अवैध रूप से शराब व अन्य नशीला पदार्थ की बिक्री किया जा रहा है।जिस पर सख़्ती से कार्रवाई होनी चाहिए।

पदाधिकारियों ने चर्चा में यह भी कहा कि जरहागांव व बॉर्डर के ग्राम छतौना में ढाबा व चिकन सेंटर की आड़ में सारे नियम कानून को धता बताते हुए देर रात जाम छलकाने का महफिल सजा रहता है ,कुछ चिकन सेंटर में तो शराब भी बेचा जाता है जिससे लोगों को आसानी से नशीला पदार्थ उपलब्ध हो जाता है जिससे जरहागांव नगर व छतौना की स्थिति दिन ब दिन बिगड़ती जा रही है जिस पर पुलिस को सख्त होने की न सिर्फ जरूरत है बल्कि कड़ी कार्रवाई भी होनी चाहिए।इस तरह के महौल खराब करने वाले चिकन सेंटर व ढाबा को नगर व गांव की रिहायशी इलाका से हटाकर अन्यत्र जगह शिफ्थ भी कराई जानी चाहिए।

जरहागांव देशी व विदेशी मदिरा दुकान के पास नियम विरुद्ध अवैध तरीके से चखना सेंटर का संचालन किया जा रहा है ,जिस पर अब तक पुलिस व आबकारी विभाग के अधिकारियों की शायद नजर नही पड़ी है,तभी तो इस दिशा में आज तक कोई कार्रवाई नही हुई है।यही वजह है कि इन चखना सेंटरों व आसपास का महौल शाम होते ही नशेड़ियों का अड्डा बन जाता है।जिस पर फिलहाल किसी का नियंत्रण नजर नही आ रहा है।लोगों का कहना है कि इन अवैध चखना सेंटरों पर कार्रवाई की जरूरत है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, रविवार, 30 मार्च, 2025
www.adityabharat.com

नुउक, ग्रीनलैंड । आवासीय आवास ब्लॉकों की रोशनी बर्फ के ढेरों को रोशन करती है।

शॉट न्यूज

कोविन की तरह रेबीज के टीके के लिए जू-विन

नई दिल्ली। टीकाकरण के लिए कोविन और यूविन के बाद अब भारत ने वन हेल्थ के लिए भी डिजिटल तकनीक लॉन्च करने का फैसला लिया है। जल्द ही केंद्र सरकार पांच राज्यों में जू-विन प्लेटफॉर्म शुरू करेगी, इसके तहत आम लोगों को घर बैठे नजदीकी रेबीज टीकाकरण केंद्र की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा सर्पदंश के मामलों में भी विषरोधी टीके का पता चलेगा। नई दिल्ली में केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के ट्रेनर को बुलाकर उन्हें ट्रेनिंग दी। यूएनडीपी से तकनीकी मदद लेकर सरकार दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में जू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगी। इन मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण में केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि अगले कुछ सप्ताह में वन हेल्थ के तहत देश में डिजिटल मंच जू-विन लॉन्च किया जाएगा। जहां रेबीज टीका और एंटी-स्नेक वेनम यानी सर्प विष रोधी टीके की आपूर्ति चेन के बारे में पूरी जानकारी होगी।

87 के बुजुर्ग को कोर्ट ने सुनाई 7 वर्ष की सजा

भुवनेश्वर। ओडिशा के गंजम जिले में विशेष ट्रैक कोर्ट ने 87 साल के व्यक्ति को सात साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। यह सजा करीब 17 साल पुराने रेप के मामले में दी गई है। इसी के साथ कोर्ट ने पांच हजार का जुर्माना भी लगाया है। एजेंसी के अनुसार, कोर्ट ने जिस साहेबा बडात्या नाम के व्यक्ति को सजा सुनाई है, वह गंजम जिले के जराडा का रहने वाला है। यह घटना 23 फरवरी 2008 की है। उस समय पीड़िता 14 साल की थी। वह रेप के दोषी के घर पर मेहमान के रूप में गई थी। उसी दौरान उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया गया। इस घटना के बाद पीड़िता के पिता ने जरदा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले की सुनवाई विशेष ट्रैक कोर्ट में हुई, जहां जज-सह-सहायक सत्र न्यायाधीश सौदामिनी सिंह ने फैसला सुनाया।

'ट्रंप कर लें ग्रीनलैंड पर कब्जा रूस कुछ नहीं बोलेगा', पुतिन के बयान से मचा हाहाकार

यूक्रेन मामले रूस के पक्ष में नजर आया अमेरिका

एजेंसी ● वाशिंगटन

डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका और रूस के रिश्तों में मिठास घुलती नजर आ रही है। पिछले दो महीने में इसके कई उदाहरण देखे जा चुके हैं। पहले यूक्रेन के मामले में अमेरिका का रुख रूस के पक्ष में नजर आया और अब ग्रीनलैंड के मामले में रूस ने अमेरिकी योजनाओं को हरी झंडी दे दी। दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से एक बयान आया है, जिससे साफ हुआ है कि उन्हें ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे की योजना से कोई ऐतराज नहीं है। हाल ही में ट्रंप ने इस आर्कटिक इलाके को अमेरिका का हिस्सा बताया था। फिलहाल यह हिस्सा डेनमार्क के अंतर्गत आता है। यह एक स्वायत्त क्षेत्र है, जहां प्रधानमंत्री से लेकर पूरी प्रशासन प्रणाली डेनमार्क से अलग है। पुतिन ने रूस के मरमंस्क शहर के अपने दौरे पर कहा, 'ग्रीनलैंड के संबंध में अमेरिका की योजनाएं गंभीर हैं। इन योजनाओं की गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं। यह स्पष्ट है कि अमेरिका आर्कटिक क्षेत्र में अपने भू-रणनीतिक, सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक हितों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाता रहेगा।' लेकिन ट्रंप के विस्तारवादी एजेंडे की आलोचना या निंदा करने के बजाय पुतिन ने ग्रीनलैंड को उसके भाग्य पर छोड़ दिया। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, 'जहां तक ग्रीनलैंड का सवाल है, यह दो देशों (अमेरिका और डेनमार्क) का मामला है। इसका हमसे कोई लेना-देना नहीं है।'

बयान

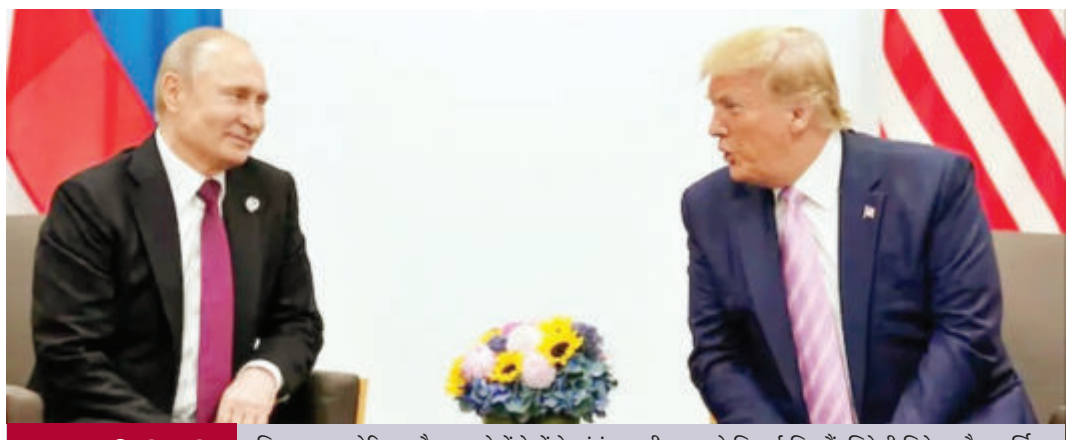

'रूस की स्थिति को अमेरिका समझ रहा, यह अच्छी बात'

फिलहाल, अमेरिका और रुस दोनों देशों के संबंध पटरी पर आते दिखाई दिए हैं। विदेशी निवेश और आर्थिक सहयोग के लिए राष्ट्रपति पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रिव का बयान भी इस दिशा में महत्वपूर्ण संकेत देता है। दिमित्रिव ने कहा है कि हम अमेरिका के साथ संयुक्त रुप से किए जा सकने वाले विभिन्न निवेश अवसरों पर विचार करने के लिए तैयार हैं। हम आर्कटिक में निवेश सहयोग के लिए तैयार हैं। इस तरह के सौदे किए जाने से पहले यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने की आवश्यकता है। हमारे (रुस और अमेरिका) बीच अब बहुत अच्छी बातचीत हो रही है।

अमेरिका का यूक्रेन युद्ध से हाथ खींचना

फरवरी में ही पूरी दुनिया ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच बहस देखी। यह बहस हद पार कर गई थी। नतीजा यह हुआ कि इसके ठीक बाद अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सारी मदद रोकने का ऐलान कर दिया। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से सबसे ज्यादा फायदा रुस को हुआ। हालांकि इसके ठीक पहले संयुक्त राष्ट्र संघ में भी यूक्रेन युद्ध के लिए रुस के खिलाफ पारित प्रस्ताव पर अमेरिकी रुख ने चौंका दिया था। तभी से लग रहा था कि अमेरिका अब इस युद्ध में यूक्रेन का और अधिक साथ नहीं देगा।

एलएसी-एलओसी पर चीन-पाक की हर साजिश पर नजर रखेगा प्रचंड

एजेंसी ● नई दिल्ली

टू फ्रंट वॉर की संभावनाओं के मद्देनज भारतीय सेना स्वदेशी हथियारों पर भरोसा जता चुकी है। ज्यादातर आधुनिक हथियार स्वदेशी ही शामिल किए जा रहे है। लाईट अटैक हेलिकॉप्टर बनाकर दुनिया में भारत ने चुनिंदा देशों में खुद को शुमार कर लिया है। लाईट कॉबेट हेलिकॉप्टर प्रचंड भारतीय थल सेना और वायुसेना में शामिल किया जा चुका है। अब सरकार ने सेना की जरूरतों के हिसाब से उसकी खरीद को भी मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) ने 156 प्रचेंड हेलिकॉप्टर की खरीद को मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय और एचएएल के बीच 62,700 करोड़ रूपय की डील पर दस्तखत भी हो गए है। खास बात तो यह है कि खरीद की मंजूरी और डील पर दस्तखत होने में महज कुछ घंटों का ही अंतर था। अब तक लिमिटेड सीरीज प्रोडक्शन के तहत 15 प्रचंड लाइट कॉबेट हेलिकॉप्टर सेना में शामिल किए जा चुके हैं। इसमें वायुसेना को 10 और थलसेना 5 हेलिकॉप्टर मिल चुके है। 156

हेलिकॉप्टर में से 90 थलसेना और 66 वायुसेना को मिलेंगे। भारतीय सेना के लाइट कॉम्बेट हेलिकॉप्टर खास भारतीय टेरेन को ध्यान में रखकर ही विकसित किया गया है। प्रचंड में 20 mm की मशीन गन लगी है।70 mm का रॉकेट दो रॉकेट पॉड से लेस है जिससे एक के बाद एख ताबड़तोड़ रॉकेट दागे जा सकते है। एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल हेलिना दागने की क्षमता है तो इसमें एयर टू एयर मिसाइल भी फायर कर सकती है। यह 21 हजार फिट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। एलएसी पर तैनात भारतीय सेना के जावानों को ऐस अटैक सपोर्ट देगा जो कि अब से पहले नहीं था। यह दुनिया का पहला अटैक हेलिकॉप्टर है जो कि हाई ऑलटेट्यूड एरिया और सियाचिन में भी ऑप्रेट कर सकता है। इस हेलिकॉप्टर में पायलट हैलमेंट माउंटेड साईट और इंफ्रारेड साईटिग सिस्टम के जरिए ग्राउंड और हवा में किसी भी टार्गेट को आसानी से निशाना बना सकते हैं।

वहां चीन बसाने जा रहा बड़ा शहर, बढ़ेगी भारत की टेंशन

इदिरा गांधी के वक्त जहां गूंजा था भारत का जयघोष

एजेंसी ● नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बांग्लादेश बसा दिया। लेकिन जिस चटगांव से 'बांग्लादेश मुक्तिसंग्राम' का ऐलान हुआ, भारत के जयघोष गूंजे, अब उसी चटगांव में चीन सबसे बड़ा औद्योगिक शहर बसाने जा रहा है। शुक्रवार को बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले तो जिन 9 बड़े समझौतों पर दस्तखत हुए, उनमें से एक चटगांव में चीन औद्योगिक आर्थिक क्षेत्र बनाने का ऐलान भी शामिल है। यह एक ऐसी जगह होगी, जहां चीन हवाई जहाज बनाएगा। फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, गारमेंट इंडस्ट्री लगाएगा।

टेंशन

जिनपिंग और मोहम्मद यूनुस ने आर्थिक और तकनीकी सहयोग के समझौते पर हस्ताक्षर किए। लेकिन सबसे बड़ी घोषणा चाइन इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक जोन और मोंगला बंदरगाह को आधुनिक बनाने का था। चीन यह इंडस्ट्रियलल इकोनॉमिक जोन बांग्लादेश के चटगांव में 750 एकड़ जमीन पर बनाने जा रहा है, जहां चीनी कंपनियां बड़े पैमाने पर निवेश करेंगी। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के तहत विकसित किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से बांग्लादेश में 75,000 से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है, जो वहां के बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा अवसर होगा। बंदरगाह के पास होने की वजह से एक्सपोर्ट का यह बड़ा मौका देगा।

मोंगला बंदरगाह का विस्तार

चीन बांग्लादेश के दूसरे सबसे बड़े बंदरगाह मोंगला बंदरगाह का विस्तार करने के लिए बड़ा पैसा खर्च करने जा रहा है। बंगाल की खाड़ी के किनारे स्थित मोंगला बंदरगाह काफी अहम है। चीन बंदरगाह की क्षमता बढ़ाएगा, नए जेटी बनाए जाएंगे, और इसे बड़े कंटेनर जहाजों के लिए उपयुक्त बनाया जाएगा। इससे बांग्लादेश का समुद्री व्यापार बढ़ेगा और चटगांव बंदरगाह पर दबाव कम होगा। चीन की योजना इस बंदरगाह को अपने समुद्री सिल्क रोड का हिस्सा बनाने की है, जिससे वह दक्षिण एशिया में अपनी पहुंच मजबूत कर सके।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)